RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः344, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्कूल प्रबंधन छात्र हित में सभी जरूरी कदम उठाए ताकि किसी को नहीं हो परेशानीः जिलाधिकारी 03

बेतिया डीडीसी ने लिया मधुबनी के सरकारी दफ्तरों का जायजा 04

फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना (शहनाज गिल) की कहानी 07

देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' संसद में पेश

- 56.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार का दावा, एफबाय27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज 29 जनवरी को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' यानी इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया। इस सर्वे में बताया गया है वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत की रेंज में रहने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई, खेती-किसानी की क्या हालत है और क्या आने वाले समय में नई नौकरियां बढ़ेंगी इसकी भी जानकारी सर्वे में दी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे 2025-2026 पटल पर रखा।

इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश,पीएम ने कहा-सरकार की पहचान रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म- पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा, 'हमारी सरकार की पहचान रही है, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। अब हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़े हैं। उन्होंने कहा, यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। यह दूसरे चौथाई की शुरुआत है। 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये 25 साल बहुत अहम हैं। एक दिन पहले बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया था।

सत्र में इन बिलों पर चर्चा संभव- लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं।

- एसआईआर पर सुनवाई, याचिकाकर्ता बोले-

चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर प्रक्रिया में सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन करना चाहिए। तमिलनाडु में जिन लोगों का नाम स्पेलिंग एरर के चलते काटा गया है। उनकी लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, सब-डिवीजन के तालुका ऑफिस और शहरी इलाकों के वार्ड ऑफिस में लगाई जाए।

उधर याचिकाकर्ता की तरफ से पेश एडवोकेट प्रशांत भूषण ने दलील दी कि नई वोटर लिस्ट बनाने की कोशिश में महिलाओं के नाम कट रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। गरीब और कमजोर लोगों पर बोझ डाला गया। वोटर को खुद फॉर्म भरने की जिम्मेदारी दी गई है। जो अनपढ़ हैं या प्रवासी हैं वो फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं।

चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता है। चुनाव अधिकारी यह कैसे तय कर सकता है कि कोई नागरिक है या नहीं? वे कोई अदालत नहीं है। अगर विवाद हो तो जिरह का मौका मिलना चाहिए।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू

केंद्र को नया ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश, देशभर में नियमों का हो रहा था विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा कि इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

कोर्ट ने यह टिप्पणी उन याचिकाओं पर की है, जिनमें आरोप लगाया गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। यूजीसी ने 13 जनवरी को

अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इनका देशभर में विरोध हो रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और जीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 19 मार्च को होगी।

यूजीसी के नए कानून का नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के खिलाफ जातीय भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश दिए गए थे।

नए नियमों के तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने का निर्देश दिया गया। ये टीमें एससी,एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं।

यूपी से जयपुर जा रही बस के उड़े परखच्चे 4 की मौत, 5 घायल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर में स्लीपर बस और ट्रेलर की भीषण टक्कर में मां-बेटे समेत 4 यात्रियों की मौत हो गई। 5 यात्री घायल हो गए। बस उत्तर प्रदेश के कासगंज से जयपुर जा रही थी। इस दौरान सेवर पुल पर खड़े ट्रेलर में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। एक्सीडेंट सेवर थाना इलाके में आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर हुआ।

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन

- परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

पत्नी ने गंगाजल चढ़ाया,बेटों ने मुखाग्नि दी, गन सैल्यूट दिया गया, अमित शाह और शरद पवार मौजूद रहे

बारामती/मुंबई (एजेंसी)। बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार हो गया। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे।

पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट के पास सुबह 8.45 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई।

हिमाचल में बर्फबारी, 889 सड़कें और हजारों बिजली ट्रांसफार्मर ठप

- सड़कों पर 4 फीट बर्फ, मप्र, राजस्थान-यूपी और बिहार में बारिश की संभावना

शिमला/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर/देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान -6 डिग्री से -1 डिग्री के बीच रहा। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में सबसे कम -6.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

बर्फबारी के कारण हिमाचल में चार नेशनल हाईवे सहित कुल 885 सड़कें और 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। पाइपलाइन में पानी जमने से वाटर सप्लाई भी बंद हैं, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं।

इधर, उत्तराखंड में दो दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद आज धूप खिली है। हालांकि, बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में सड़कों पर अभी भी 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी है। चमोली के औली में लगभग 2 फीट बर्फ गिरी।

कांग्रेस में 'सब कुछ ठीक है'?

- खरगे-राहुल गांधी से मिल कर शशि थरूर बोले- बातचीत अच्छी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खड़गे के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई। सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एआईसीसी की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे।

वहीं केरल का सीएम बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

राहुल ने कोच्चि में थरूर को नजरअंदाज किया था

मीडिया सूत्रों के अनुसार 19 जनवरी को कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था। थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे।

सीबीआई का बड़ा एक्शन

भोजपुर शिक्षक अपहरण कांड में महिला एसआई अंजलि कुमारी गिरफ्तार

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के बहुचर्चित कमलेश राय अपहरण मामले ने तब नया मोड़ ले लिया जब सीबीआई ने लखीसराय में तैनात महिला दारोगा अंजलि कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। 13 जुलाई 2023 से लापता शिक्षक कमलेश राय का मामला अब एक हाई-प्रोफाइल मर्डर मिस्ट्री में तब्दील होता नजर आ रहा है।

कमलेश राय आरा में कोचिंग पढ़ाते थे- बड़हरा के कोल्हरामपुर निवासी कमलेश राय आरा में कोचिंग पढ़ाते थे। वे जुलाई 2023 में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला। स्थानीय पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद फरवरी 2024 में सीबीआई ने इस केस की कमान संभाली।

इजरायल-फिलिस्तीन के बीच मध्यस्थता कर सकता है भारत

- भारत दौरे पर आई फिलीस्तीनी विदेश मंत्री ने जताया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलिस्तीनी विदेश मंत्री वर्सेन अघाबेकियन शाहीन ने भारत के दौरे पर आई हुई हैं। इस दौरान फिलस्तीनी विदेश मंत्री ने भारत और फिलिस्तीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर जोर दिया। शाहीन ने पश्चिम एशिया में भारत की संतुलित भूमिका का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने फिलिस्तीन को व्यापक अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि भारत इजरायल और फिलिस्तीन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत एक महान देश है और वह फिलिस्तीन के लोगों के साथ खड़ा रहा है।

हम भारत की बहुत इज्जत करते हैं

विदेश मंत्री ने कहा कि मुझे भारत आकर खुशी हो रही है। यह मेरी पहली यात्रा है और मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी नहीं होगी। उन्होंने भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और ऐसा देश बताया जिसकी हम बहुत इज्जत करते हैं। मंत्री ने कहा कि फिलिस्तीन का मानना है कि भारत, इजरायल और फिलिस्तीन के बीच एक बड़ी मध्यस्थता भूमिका निभा सकता है और संघर्ष और कब्जे को खत्म करने में मदद कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून, दो-राज्य फ्रेमवर्क और न्यूयॉर्क घोषणा के पक्ष में भारत का रुख हमारे लिए बहुत साफ है।

'साही के कांटे' की तरह होगा देश का सुरक्षा कवच

- प्रोजेक्ट कुशा में एस-400 से भी ताकतवर होंगी मिसाइलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत लंबी दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के 'प्रोजेक्ट कुशा' के तहत भारत ऐसी नई पीढ़ी की इंटरसेप्टर मिसाइलें विकसित कर रहा है, जो रूस के शक्तिशाली एस-400 सिस्टम की बराबरी करेंगी या उससे भी बेहतर साबित होंगी।

आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट के प्रमुख, अंकांथी राजू ने इस महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में अहम जानकारी साझा की है। यह सुरक्षा कवच वैसा ही जैसे साही नाम का जानवर अपने शरीर पर उग आए कांटों के सहारे दूसरे खतरनाक जानवरों से अपनी सुरक्षा करता है, उसी तरह प्रोजेक्ट कुशा देश 'सुरक्षा कवच' मुहैया कराएगा!

एम1 इंटरसेप्टर: 150 किमी की मारक क्षमता- इस शील्ड की पहली मिसाइल, एम1 इंटरसेप्टर को 150 किमी की रेंज के लिए डिजाइन किया जा रहा है। यह दुनिया भर में तैनात कई मध्यम दूरी की वायु रक्षा मिसाइलों पर भारी पड़ेगी।

- **एम2 इंटरसेप्टर: सिस्टम की 'रीढ़'**- दूसरे वैरिएंट, एम2 की रेंज 250 किमी होगी। यह लंबी दूरी की श्रेणी में आती है और इसे एस-400 की 48एन6डीएम और 48एन6ई3 मिसाइलों के समकक्ष खड़ा करती है। एम2 को प्रोजेक्ट कुशा की लंबी दूरी की वायु रक्षा का कोर (मुख्य आधार) माना जा रहा है, जो तेज गति और ऊंचाई वाले लक्ष्यों के खिलाफ मजबूत सुरक्षा प्रदान करेगा।
- **एम3 इंटरसेप्टर- सबसे घातक हथियार**- प्रोजेक्ट कुशा के तहत सबसे उन्नत मिसाइल एम3 है। इसकी आधिकारिक रेंज 350 किमी बताई गई है, जो एस-400 की 40एन6ई मिसाइल (400 किमी) से थोड़ी कम है। हालांकि, रिपोर्ट्स बताती हैं कि इसमें लगातार सुधार किए जा रहे हैं, जिससे इसकी रेंज 400 किमी तक बढ़ सकती है। यह दुश्मन के हवाई क्षेत्र में घुसकर लक्ष्यों को मार गिराने में सक्षम होगी।
- **2028 तक पहला ट्रायल**- इस विस्तारित रेंज के साथ, एम3 भारत की रणनीतिक वायु रक्षा को काफी मजबूती देगा। उम्मीद है कि इस इंटरसेप्टर का पहला ट्रायल 2028 तक किया जाएगा।

इससे डीआरडीओ को प्रोपल्शन, गाइडेंस और रडार इंटीग्रेशन को बेहतर बनाने का पर्याप्त समय मिलेगा, ताकि परीक्षण के समय तक यह मिसाइल अपनी पूरी 400 किमी की क्षमता हासिल कर सके।

तीन स्तर का अभेद सुरक्षा कवच-एम1,एम 2 और एम3

अंकांथी राजू ने बताया कि प्रोजेक्ट कुशा के तहत तीन विशेष इंटरसेप्टर मिसाइलें विकसित की जा रही हैं, जिन्हें एम1, एम2 और एम3 नाम दिया गया है। ये तीनों मिलकर एक 'लेयर्ड एयर डिफेंस शील्ड' बनाएंगी। इस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों और दुश्मन के अन्य महत्वपूर्ण हवाई हमलों सहित हवाई खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला को बेअसर करना है। भारत का लक्ष्य अपनी स्वदेशी क्षमताओं को दुनिया के उन्नत सिस्टम्स के बराबर लाना और अंतत: उनसे आगे निकलना है।

- पहले हुआ लापता, फिर क्रैश, कोलंबिया में बड़ा विमान हादसा

सांसद समेत 15 की मौत

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया के पूर्वोत्तर में नॉर्टे डी सैंटेंडर प्रांत के ग्रामीण इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ जब एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार एक सांसद समेत सभी 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारियों ने इस हादसे की पुष्टि कर दी है। इस उड़ान का संचालन करने वाली सरकारी विमानन कंपनी 'सटेना' ने एक जारी बयान में कहा कि कुरासिका इलाके के स्थानीय अधिकारियों ने घटनास्थल के बारे में प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद 'यात्रियों की स्थिति का पता' लगाने के लिए एक बचाव दल भेजा गया। विमानन कंपनी के मुताबिक इस विमान में चालक दल के दो सदस्य और सांसद डायोजेनेस किंतेरो समेत 13 यात्री सवार थे।

संक्षिप्त समाचार

श्मशान का रास्ता बंद होने पर सड़क पर दाह संस्कार, वैशाली में आक्रोशित परिजनों किया प्रोटेस्ट

हाजीपुर। वैशाली से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां श्मशान घाट का रास्ता बंद होने के कारण एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार सड़क पर ही करना पड़ा। यह घटना गरौल थाना क्षेत्र के सोन्धो अंधारी गांव की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 91 वर्षीय झपकी देवी का निधन हो गया था। परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में स्थानीय दुकानदारों द्वारा श्मशान घाट का रास्ता बंद कर दिया गया। मृतका के पुत्र बबीतन मांझी ने बताया कि उन्होंने रास्ता खोलने की काफी कोशिश की, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। परिजनों के साथ चल रहे लोगों के सुझाव पर मजबूर होकर बीच सड़क पर ही अंतिम संस्कार करने का फैसला लिया गया। यह घटना सोनधो गांव से शव लेकर दाह संस्कार के लिए जाते समय मुबारकपुर के मांझी टोला के पास, एक चौराहे पर हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों और स्थानीय लोगों के भारी आक्रोश को देखते हुए पुलिस मूकदर्शक बनी रही। बताया जा रहा है कि यह मामला महादलित समुदाय से जुड़ा हुआ है, जिस कारण घटना के बाद इलाके में तनाव और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्मशान घाट का यह रास्ता लंबे समय से अवरुद्ध है, जिससे महादलित समुदाय को अंतिम संस्कार जैसे जरूरी कार्यों में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द रास्ता खुलवाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

कपड़ों से मिला स्पर्म 18-21 साल के लड़के का, नीट स्टूडेंट मौत में एफएसएल की रिपोर्ट

पटना। पटना में NEET छात्रा के कपड़ों से मिला स्पर्म 18 से 21 साल के लड़के का है। सूत्रों की माने तो FSL की जांच में ये बात सामने आ रही है। SIT अब इस एज ग्रुप के संदिग्धों का पहले DNA करवाने की तैयारी में है। अब तक SIT ने 25 लोगों के DNA सैंपल लिए हैं। इनमें छात्रा के परिवार के भी 5 लोग हैं। SIT अब छात्रा की 11 दिन की ट्रैवल हिस्ट्री, कॉल डिटेल, टावर लोकेशन और मोबाइल सर्च हिस्ट्री खंगाल रही है। इससे साफ होगा कि छात्रा के साथ क्या, कब और कहां हुआ। छात्रा की सबसे ज्यादा बातचीत किससे हुई और कहां सबसे ज्यादा समय तक मोबाइल लोकेशन पाई गई। जांच में यह बात सामने आई थी कि लड़की नाबालिग थी, लिहाजा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धराएं भी जोड़ी हैं। वहीं, पटना में SSP कार्तिकेय शर्मा ने नीट छात्रा मौत मामले में आज SIT के साथ समीक्षा बैठक की है।

10 फरवरी से फाइलेरिया अभियान, 17 दिनों तक चलेगा सर्वजन दवा सेवन अभियान

हाजीपुर। वैशाली में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए आगामी 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन अभियान (एमडीए) शुरू होगा। इसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सिविल सर्जन और DVBDCO डॉ. गुडिया की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा तैयार की गई। इस बार का अभियान 17 दिनों का होगा, जिसमें रजिस्टरों के सही संधारण और दवा खिलाने (ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रशिक्षण में चेहरकलां और महुआ प्रखंड के MOIC, BHM, BCM सहित विभिन्न स्वास्थ्यकर्मियों तथा WHO, पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. गुडिया ने बताया कि जिले के 16 प्रखंडों में से केवल दो ब्लॉक नाइट ब्लड सर्वे में फेल हुए हैं, जहां यह MDA आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि दवा का केवल सेवन कराया जाए, वितरण नहीं। हर वर्ग तक पहुंच बनाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाए। 17 दिनों के इस अभियान के पहले तीन दिन स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर बूथ लगाकर दवा खिलाई जाएगी। शेष 14 दिनों तक ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर घर-घर जाकर फैमिली रजिस्टर के आधार पर दवा का सेवन कराएंगे। अभियान में दो बार मॉप-अप राउंड भी चलाया जाएगा। इसमें हर सप्ताह के छह दिन घर-घर जाकर और सातवें दिन छूटे हुए लोगों को दवा खिलाई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान दवा की खुराक को लेकर सख्त दिशा-निर्देश दिए गए। बताया गया कि 90 सेंटीमीटर से कम लंबाई के बच्चे, दो वर्ष से कम उम्र के शिशु, गर्भवती महिलाएं तथा गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को आइवरमेक्टिन गोली नहीं दी जाएगी। फाइलेरिया कार्यक्रम प्रभारी अमित कुमार तथा पिरामल के जिला प्रमुख पियूष कुमार ने रजिस्टर संधारण, रिपोर्टिंग, पर्यवेक्षण तथा उच्च जोखिम वाले व छूटे हुए क्षेत्रों पर ध्यान देने का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर डीसीएम निभा रानी सिंहा सहित कई अन्य स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेम-प्रसंग विवाद में फायरिंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार वैशाली में पिस्टल बरामद, आपराधिक इतिहास भी निकला

हाजीपुर। वैशाली के सदर थाना क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग विवाद में हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद की है। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 24 जनवरी को सदर थाना क्षेत्र के केशोपुर में हुई थी। प्रेम-प्रसंग को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने दूसरे पर गोली चला दी। गोली लगने से केशोपुर निवासी मनीष कुमार (पिता उमेश ठाकुर) घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस ने कांड संख्या 58/26 दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष सदर के नेतृत्व में एक अनुसंधान दल का गठन किया गया, जिसकी अगुवाई एसआई सुबोध कुमार (दरोगा सदर-1, हाजीपुर) ने की। पुलिस टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर गहन छानबीन की। शनिवार को टीम ने मुख्य आरोपी शिवम कुमार उर्फ सुपन (पिता अखिलेश राय), निवासी दिग्धीकला पश्चिमी, वार्ड-05, थाना सदर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक पिस्टल और दो खोखे जब्त किए। पूछताछ के दौरान आरोपी शिवम कुमार ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि विवाद प्रेम-प्रसंग को लेकर हुआ था और उसने ही गोली चलाई थी। उसने इस घटना में शामिल एक अन्य व्यक्ति का नाम भी बताया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी शिवम कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ सदर थाना में दो पुराने मामले दर्ज हैं। इनमें कांड संख्या 325/21 शराब तस्करी से संबंधित है, जबकि कांड संख्या 198/23 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किया गया था।

पटना-कार्यक्रम में अधिकारियों पर भड़के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

कहा- आपलोगों ने कागजों पर बाल मजदूरी खत्म किया

एजेंसी, पटना

बिहार में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की हकीकत पर सवाल खड़े करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना में कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने साफ कहा कि जितने बाल श्रमिकों को मुक्त कराने का दावा किया जा रहा है, उससे कहीं ज्यादा बच्चे आज भी सड़कों पर काम करते नजर आ जाएंगे। श्रम संसाधन विभाग और बिहार राज्य बाल श्रम आयोग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डिप्टी सीएम ने मंच से ही अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि,अगर मैं अभी आप लोगों के साथ पटना की सड़कों पर निकल जाऊं, तो जितने बच्चों को आपने बाल श्रम से मुक्त कराने का दावा किया है, उससे कहीं ज्यादा बच्चे काम करते दिख जाएंगे। उन्होंने दो टूक कहा कि कागजों पर उपलब्धि दिखाने से काम नहीं चलेगा, जमीन पर असर दिखना चाहिए।

कागजी नहीं, जमीनी कार्रवाई चाहिएः डिप्टी सीएम ने श्रम संसाधन विभाग और बिहार बाल श्रम आयोग को सख्त लहजे में कहा कि बिहार से बाल श्रम खत्म करना है, तो बड़े पैमाने पर, लगातार और असरदार अभियान चलाने होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात नहीं बदले तो सरकार इसे गंभीरता से लेगी। कार्यक्रम के बाद बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यूजीसी पर कहा कि यह पूरी तरह न्यायालय का विषय है। यह कोर्ट का मामला है, सरकार इसमें दखल नहीं देगी। न्यायालय जो भी फैसला करेगा, सरकार उसी के अनुसार कार्रवाई करेगी।

❐ सड़क पर मैं निकलूं तो बच्चे काम करते दिख जाएंगे

लैंड फॉर जॉब केस पर बयानः लैंड फॉर जॉब मामले पर पूछे गए सवाल पर सम्राट चौधरी ने कहा कि किसी भी केस की सुनवाई तय समय में होनी चाहिए। कोर्ट जो तय करता है, सरकार उसी पर काम करती है। प्लेन क्रैश को लेकर ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम पीड़ित परिवार सरकार के साथ खड़े हैं। अगर किसी तरह की चूक हुई है तो उसकी जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। ममता दीदी को राजनीति करने की जरूरत नहीं है।

पटना वीमेंस कॉलेज में टेक्नो-कल्चरल फेस्ट, सज-धजकर पहुंची छात्राएं

एजेंसी, पटना

पटना वीमेंस कॉलेज में कल्चरल फेस्ट चल रहा है। ये फेस्ट हर साल आयोजित होता है। गुरुवार दोपहर 'विरासत 2026' टेक्नो-कल्चरल फेस्ट में कॉलेज की छात्राएं साड़ी पहनककर, सज-धजकर पहुंची हैं। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा, जिसमें डांस, म्यूजिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के साथ लाइव कॉन्सर्ट भी शामिल है। आज कॉलेज की पूर्व छात्रा और इंडियन आइडल फेम रितिका राज ने लाइव परफॉर्मेंस दिया। सभी छात्राएं उनके गानों पर झूम उठीं। सभी ने काफी इन्जॉय किया।

छात्रा तनिषा मिश्रा ने कहा कि हमें बहुत मजा आ रहा है। हर साल हमलोग इस कॉलेज फेस्ट का इंतजार करते हैं। स्नेहा ने कहा कि आज हमारे कॉलेज की एल्यूमनाई रितिका राज परफॉर्म कर रही हैं। यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। हमलोग डीजे पर डांसकर इन्जॉय करने के लिए बेताब हैं। कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा अंशु ने कहा, 'हमलोग जितना इस कार्यक्रम के लिए खुश हैं, उतना दुखी भी हैं, क्योंकि ये हमलोग का आखिरी साल है। दो महीने बाद हम यहां से पास आउट होकर निकल जाएंगे। इसलिए हमलोग आज खूब इन्जॉय करेंगे क्योंकि ये टाइम दोबारा नहीं आएगा'। पहले दिन पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं के लिए मिस पीडब्ल्यूसी कॉन्टेस्ट और डीजे गाला का आयोजन हुआ। दूसरे दिन टेक क्योर, राग आलाप, नृत्यांजलि, रैंप्लेक्स, फ्यूजियाना बीट शामिल हैं। तीसरे दिन टेक कल्चर, सोलो सागा, स्नैपचर, देशज धुन का आयोजन होगा। कार्यक्रम बॉलीवुड सिंगर अमित मिश्रा के नाइट कॉन्सर्ट से होगा। इसमें इंटर कॉलेज इवेंट्स का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें हैकाथोन, रील मेकिंग कंपीटीशन, डिबेट, वेस्टर्न ग्रुप डांस कंपीटीशन, सोलो क्लासिकल डांस कंपीटीशन आदि होंगे टॉप-3 विजेताओं को कैश प्राइज भी दिया जाएगा।

बिहार में आपात सेवाएं होंगी और मजबूत, जी+7 भवन बनेगा

एजेंसी, पटना

172.80 करोड़ होंगे खर्च

बिहार में पुलिस व्यवस्था और आरापतकालीन सेवाओं को प्रभावी बनाया जा रहा है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पटना के राजीव नगर थाना क्षेत्र में आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) और राज्य पुलिस डाटा सेंटर के स्थायी भवन के निर्माण को स्वीकृति दी है। परियोजना पर कुल 172 करोड़ 80 लाख रुपए की अनुमानित लागत आएगी। इस रुपए से मॉर्डन भवन, फर्नीचर, तकनीकी ढांचा और अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। प्रस्तावित भवन B+2 और G+7 संरचना का होगा, जिसमें ईआरएसएस (112) और राज्य पुलिस डाटा सेंटर के सभी आधुनिक कार्यालय, कंट्रोल रूम, सर्वर रूम और तकनीकी इकाइयां स्थापित की जाएंगी। यह भवन पूरी तरह से आधुनिक तकनीक से लैस होगा, ताकि राज्यभर से आने वाली आपात कॉल और डाटा का त्वरित और सुरक्षित संचालन किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मजबूत और आधुनिक पुलिस भवन न केवल प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाएंगे, बल्कि पुलिसकर्मियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक कार्य वातावरण भी उपलब्ध कराएंगे। इससे पुलिस की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और आम जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

लैंड फॉर जॉब केस में 9 मार्च से रोजाना सुनवाई, कोर्ट ने लालू-राबड़ी को पेशी से दी छूट

एजेंसी, पटना

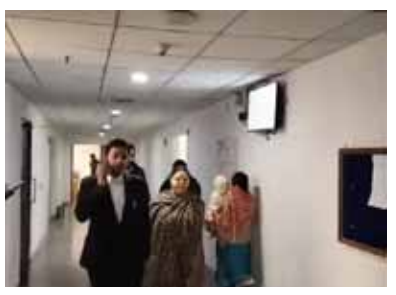

मीसा भारती और हेमा यादव हुईं पेश

लैंड फॉर जॉब केस में आज गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने लालू परिवार को राहत दी है। 1-25 फरवरी के बीच लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव को औपचारिक आरोप तय करने के लिए अदालत में सशरीर हाजिर होने की छूट दी है। आज की सुनवाई में लालू-राबड़ी और तेजस्वी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए, जबकि पाटलिपुत्र से राजद सांसद और लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव कोर्ट पहुंचीं। दोनों ने आरोपों से इनकार किया। 9 मार्च से मामले की रेगुलर सुनवाई होगी। जहां ट्रायल और प्रॉसिक्यूशन के सबूत रिकॉर्ड करने के लिए इसे लिस्ट किया गया है।। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) द्वारा दर्ज किया गया है। 9 जनवरी को कोर्ट ने लालू परिवार सहित कुल 41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अब इन सभी पर नियमित रूप से मुकदमा चलेगा। वहीं, कोर्ट ने 52 लोगों को इस मामले में बरी कर दिया था।

कोर्ट ने कहा- लालू फैमिली ने आपराधिक गिरोह की तरह काम कियाः पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने अपने आदेश में कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, "लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था और सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक व्यापक साजिश रची गई थी।" जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'अदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी।'

CBI के आरोपों पर कोर्ट ने लालू परिवार के भी 5 लोग हैं। SIT अब छात्रा की 11 दिन की ट्रैवल हिस्ट्री, कॉल डिटेल, टावर लोकेशन और मोबाइल सर्च हिस्ट्री खंगाल रही है। इससे साफ होगा कि छात्रा के साथ क्या, कब और कहां हुआ। छात्रा की सबसे ज्यादा बातचीत किससे हुई और कहां सबसे ज्यादा समय तक मोबाइल लोकेशन पाई गई। जांच में यह बात सामने आई थी कि लड़की नाबालिग थी, लिहाजा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धराएं भी जोड़ी हैं। वहीं, पटना में SSP कार्तिकेय शर्मा ने नीट छात्रा मौत मामले में आज SIT के साथ समीक्षा बैठक की है।

'सवर्णों को बेड़ियों से नहीं कुचल सकते'

एजेंसी, पटना

UGC बिल 2026 पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को रोक लगा दी है। कोर्ट ने सरकार से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। CJI ने कहा है कि बिल के गलत इस्तेमाल की आशंका है। वहीं, इस बिल को लेकर देशभर में विरोध-प्रदर्शन जारी है। पटना में राजपूत करणी सेना ने 'काला कानून वापस लो' के पोस्टरों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना है, 'इस तरह के बिल से सरकार सवर्णों को बेड़ियों से नहीं कुचल सकती है।' UGC बिल पर स्टे लगने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त किया है। इधर, पटना एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से जब UGC बिल को लेकर सवाल किया गया, तो वह बिना कुछ कहे चले गए। पत्रकार उनसे लगातार सवाल करते रहे आप सवर्णों के बड़े नेता हैं, यूजीसी पर आपका क्या रुख है, लेकिन ललन सिंह ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया और चुप्पी साधे रहे।

UGC बिल पर चेतन आनंद ने उठाए सवालः UGC पर जेडीयू विधायक चेतन आनंद ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'कल अनेक कॉलेज के छात्रों से one-to-one संवाद हुआ और UGC Act को लेकर कई चर्चाएं हुईं। कई घंटे चले इस वार्तालाप का निष्कर्ष निकला, सवर्ण छात्र अगर जातिगत भेदभाव करते हैं तो उनपर कार्रवाई हो, मगर उन्हें आपसी रंजिश में फंसाया जाए तो फंसाने वाले पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कानून का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए। जातिगत भेदभाव देश के लिए नासूर है। ऐसे मामलों में दोषी के खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए, मगर निर्दोष को बचने का अवसर भी मिलना चाहिए। 2012 में बने नियम में था कि अगर आरोप गलत निकले या फंसाने की मंशा निकली तो जुर्माना लगता था। नए नियम में क्यों नहीं है।'

♦ यूजीसी पर प्रदर्शन बक्सर-पटना में 'काला कानून वापस लो' के पोस्टर के साथ विरोध

यूजीसी बिल को तेज प्रताप यादव का खुला समर्थनः राजद नेता तेज प्रताप यादव ने यूजीसी के नए नियमों को ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लाया गया कानून का मकसद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जातिगत भेदभाव को रोकना है।'

UGC के नए नियमों का विरोध क्यों?: UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

बिहार के 5 जिलों में बारिश की संभावना, बढ़ेगी ठंड

एजेंसी, पटना

बिहार के कुछ जिलों में बुधवार को हुई बारिश के बाद ठंड फिर से बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आज भी 5 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पटना समेत अन्य जिलों में मौसम साफ रहेगा। हालांकि, हल्के बादल छाए रह सकते हैं। वहीं, शाम होते ही कनकनी बढ़ने की संभावना है। रात के दौरान बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

बीते 24 घंटे में बगहा में तेज बारिश हुई, वहीं बक्सर में हल्की बूंदाबांदी हुई। जबकि औरंगाबाद, बेतिया, सुपौल समेत 10 जिलों में सुबह कोहरा के साथ बादल छाए रहे। 7.4 डिग्री तापमान के साथ भागलपुर सबसे ठंडा जिला रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण बिहार में ऐसा मौसम बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से वातावरण में नमी बढ़ गई है, जिससे बादल बन रहे हैं और कुछ इलाकों में बारिश हो रही है। इसके अलावा, पछुआ और पूरवा हवाओं के टकराव से भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यही वजह है कि जनवरी के अंत में भी राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश हो रही है और ठंड पूरी तरह से विदा नहीं हुई है।

मौसम विभाग का मानना है कि बारिश के बाद तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। खासतौर पर न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक की कमी संभव है। इसका सीधा असर सुबह और रात की ठंड पर पड़ेगा।

दारोगा बनने का सपना टूटा, शराब के साथ पकड़ाया युवक

एजेंसी, पटना

♦ बंगाल से लाई गई थी अंग्रेजी शराब की खेप, पुलिस ने की जब्त

हाथीदह पुलिस ने दारोगा परीक्षा की तैयारी कर रहे एक युवक को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवक के पास से पिट्ठू बैग में टेट्रा पैक और अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद हुई हैं। यह युवक राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के गांव सिमरिया का रहने वाला है। गिरफ्तार युवक की पहचान गौरव कुमार के रूप में हुई है। वह बंगाल से शराब की खेप लेकर ट्रेन के माध्यम से हाथीदह स्टेशन पहुंचा था। एक ट्रॉली और एक पिट्ठू बैग में भरी यह शराब सिमरिया गांव पहुंचाई जानी थी। गुप्त सूचना के आधार पर हाथीदह पुलिस ने उसे धर दबोचा।

इसी महीने दारोगा भर्ती की परीक्षा दी थीः गौरव कुमार ने इसी महीने दारोगा की परीक्षा दी थी। शराब तस्करी के आरोप में उसकी गिरफ्तारी से दारोगा बनने का उसका सपना टूट गया है। गौरतलब है कि हाथीदह स्टेशन शराब तस्करी का एक प्रमुख केंद्र बन गया है, जहां से बड़े पैमाने पर शराब बेगूसराय भेजी जाती है। इस धंधे में महिला तस्करों की संलिप्तता भी सामने आई है।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी का 5वां दीक्षांत समारोह, 31 को गोल्ड मेडल, मेडलिस्ट में 22 छात्राएं

एजेंसी, पटना

❐ 800 को पीजी और 65 स्टूडेंट्स को पीएचडी डिग्री

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी का 5वां दीक्षांत समारोह पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित हुआ। इस बार कुल 31 टॉपरों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इसमें एक बार फिर से बेटियों का जलवा बरकरार है। इस सूची में 22 छात्राओं ने बाजी मारी है। वहीं, सिर्फ 9 छात्र शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में 65 छात्र-छात्राओं को पीएचडी की उपाधि दी गई। इसके अलावा 2023-25 में विभिन्न संकायों और पाठ्यक्रमों के पीजी विभागों के करीब 800 छात्र-छात्राओं को ऑन-स्पॉट पीजी की डिग्री दी गई।

9 हजार छात्र-छात्राओं की डिग्री जारीः वहीं, करीब 9 हजार छात्र-छात्राओं की डिग्री यूनिवर्सिटी की ओर से जारी की गई, इनमें टॉप 10 को ही समारोह में डिग्री दी गई। बाकी छात्र-छात्राएं यूनिवर्सिटी में आवेदन करके बाद में डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। गोल्ड मेडलिस्ट मनीषा ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। खुशी हो रही है। मैंने मेहनत की थी। आगे रिसर्च में जाना है।

समारोह में नहीं पहुंचे राज्यपालः मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश कुमार चौधरी मौजूद रहे। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान करने वाले थे, मगर स्वास्थ्य कारणों के वजह से उन्होंने अपने प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चौंगथू को भेजा।

31 टॉपर जिन्हें मिलेगा गोल्ड मेडलः बॉटनी में शुभम कुमार, केमिस्ट्री में मनीषा कुमारी, इलेक्ट्रॉनिक में कुणाल कुमार ठाकुर, एनवायरमेंटल साइंस में अक्षदा भट्ट, मैथ्स में आर्यन राज, फिजिक्स में मुस्कान कुमारी, जूलॉजी में प्रगति कुमारी, इंग्लिश में रेशमा दरख्शां, हिंदी में आर्या कुमारी, म्यूजिक में साक्षी सेजल, फिलॉसफी में कुमार कृष्णानंद, पाली में नीतीश कुमार, प्रकृति में सुनीता यादव, संस्कृत में अनिकेत कुमार, उर्दू में वाजदा तबस्सुम, कॉमर्स में जूही कुमारी, असिएंट हिस्ट्री में सुनील कुमार, इकोनॉमिक्स में अमृता प्रीतम को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अटल किसान उत्पादक संगठन द्वारा किसान गोष्ठी एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के पतौरा स्थित अटल किसान उत्पादक संगठन के कार्यालय पर गुरुवार को एक दिवसीय 'किसान गोष्ठी एवं जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि एटीएम राघवेंद्र द्विवेदी, प्रियंका नागवंशी, सत्यम दुबे, अवंतिका राज, जितेंद्र भास्कर, केशव कृष्णा, केदार शुक्ला, राकेश शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। जिसकी अध्यक्षता अटल किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष सत्यम कुमार ने किया। वहीं अटल किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष सत्यम कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और उन्नत बीजों के बारे में जानकारी देना था। वहीं नवाचार और तकनीकः जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण को अपनाने पर जोर दिया गया। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड और पीएम किसान योजना के लाभों के बारे में जागरूक किया गया। गोष्ठी में क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को वैज्ञानिकों के साथ साझा किया। एटीएम राघवेंद्र कुमार ने बताया कि इस तरह की गोष्ठियों से किसानों की आय में वृद्धि होगी और वे उन्नत खेती की ओर प्रेरित होंगे। इस कार्यक्रम किसान राधेश्याम पांडेय, संजीत श्रीवास्तव, प्रिंस, नितेश श्रीवास्तव, सनी शुक्ला, कमलेश श्रीवास्तव, तुलसी शाह, धुरंधर शुक्ला, विश्वनाथ पंडित, अनिता कुमारी, प्रियंका देवी, बेबी कुमारी, सलोनी देवी, अंशु राज, एवं सैकड़ो की संख्या में पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित थी।

निजी विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को दिया आवेदन

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के निजी विद्यालयों ने प्रशासनिक और शैक्षणिक समस्याओं को लेकर अधिकारियों को आवेदन सौंपा है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ऑफ टीचर्स वेलफेयर के अध्यक्ष संतोष कुमार रोशन ने बताया कि जिले के निजी विद्यालय सीमित संसाधनों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं और हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं, लेकिन कई लंबित मुद्दों के कारण विद्यालयों का सुचारु संचालन प्रभावित हो रहा है। आवेदन में प्रमुख मांगों में शामिल हैंः यू-डाइस (UDISE) पोर्टल की तकनीकी कमियों को दूर करना और सभी निजी विद्यालयों को लॉगिन पासवर्ड उपलब्ध कराना, लंबित यू-डाइस नंबर शीघ्र प्रदान करना, आरटीई अधिनियम के तहत 25% नामांकन प्रतिपूर्ति राशि जारी करना, लंबित स्वीकृति आवेदनों पर त्वरित निर्णय लेना, और विभिन्न पोर्टलों के स्थान पर एक समेकित (सिंगल) पोर्टल विकसित करना। इसके अलावा, आवेदन में बिहार बोर्ड की मैट्रिक और इंटर परीक्षाओं के केंद्र बने निजी विद्यालयों को आर्थिक सहायता देने, पुस्तकों की सूची निर्गत करने की तिथि बढ़ाने, और जिले में आधार सुधार केंद्रों की संख्या बढ़ाने की भी मांग की गई है। संतोष कुमार रोशन ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से अधिकारियों से अनुरोध है कि इन मुद्दों पर सकारात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि निजी विद्यालयों का संचालन सुचारू रूप से जारी रहे और शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे।

भूमि विवाद में हिंसक झड़प व फायरिंग मामले में दोनों पक्षों पर एफआईआर, रायफल जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प और फायरिंग की घटना के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। यह घटना शुक्रवार की शाम फ़ौजी बाबा और लालबाबू सिंह के बीच भूमि विवाद को लेकर हुई, जिसमें आपसी कहासुनी के बाद मामला हिंसक हो गया और फायरिंग की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने विधिक प्रावधानों के तहत तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 41 का लाभ देते हुए पीआर बॉन्ड पर छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त रायफल को बरामद कर जब्त कर लिया है। इस संबंध में प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि जब्त हथियार के लाइसेंस को रद्द कराने के लिए संबंधित सक्षम प्राधिकारी को अनुशंसा भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही, हालांकि पुलिस की मौजूदगी और सतर्कता से फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांति बनाए रखने की सख्त हिदायत दी है और कानून व्यवस्था भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

स्कूल प्रबंधन छात्र हित में सभी जरूरी कदम उठाए ताकि किसी को नहीं हो परेशानी: जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिला के निजी विद्यालय संचालकों के साथ गुरुवार को बैठक कर छात्र एवं अभिभावकों के हित में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि विगत 23 जनवरी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया था उसका सही से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी विद्यालय संचालक/प्राचार्य विद्यार्थियों को विद्यालय की यूनिफॉर्म, जूते, टाई, पाठ्य पुस्तक, कॉपियों अथवा अन्य स्टेशनरी सामग्री किसी एक ही दुकान या चिन्हित विक्रेता से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं करेगा। सभी निजी विद्यालयों के संचालक यह सुनिश्चित करें कि अपने विद्यालय में संचालित प्रत्येक कक्षा हेतु अनिवार्य पुस्तकों की सूची एवं यूनिफॉर्म का विवरण दिनांक 10 फरवरी 2026 के पूर्व विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए तथा विद्यालय परिसर के किसी सार्वजनिक स्थान पर भी चस्पा दिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि री- एडमिशन अथवा डेवलपमेंट चार्ज पर भी प्रबंधन विचार करें एवं इसे समाप्त करें। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत् ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से आवंटित छात्रों का नामांकन हर हाल में निजी विद्यालय करना सुनिश्चित करेंगे। वहीं जिलाधिकारी ने कहा कि छात्र हित में अभिभावकों को यह पूर्ण स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छानुसार किसी भी दुकान से निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सामग्री खरीद सकते हैं। उक्त बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्कूल प्रबंधकों को निर्देश दिया कि ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से कमजोर वर्ग के नामांकित बच्चों का पूरा ध्यान रखें ताकि कहीं से भी बच्चे अपने को कमजोर महसूस नहीं करें। ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से नामांकित बच्चों के विषय में जिलाधिकारी ने कहा कि इसके लिए सरकार राशि की प्रतिपूर्ति विद्यालयों को देती है। सभी विद्यालय नामांकित छात्रों का डेटाबेस ज्ञानदीप पोर्टल पर अपलोड करेंगे ताकि उनका भुगतान समय से सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में यह भी कहा गया कि मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में शिक्षा विभाग के द्वारा ज्ञानदीप पोर्टल से संबंधित तकनीकी पहलुओं को लेकर प्रशिक्षण सह हेल्प डेस्क का शीघ्र आयोजन किया जाएगा जिसमें विद्यालय प्रबंधन अपने स्कूल के आईटी अस्सिटेंट को तकनीकी जानकारी के लिए भेज सकते हैं जिससे कार्यों में सहूलियत आएगी।विद्यालय प्रबंधकों द्वारा आधार कार्ड बनवाने को लेकर प्रश्न उठाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि पोस्ट ऑफिस के माध्यम से कैंप लगाकर विद्यालयों में बच्चों का आधार कार्ड बनवाया जाएगा। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि निजी विद्यालयों में बच्चों का आपार आईडी बड़ी संख्या में लंबित है जिसको शीघ्र बनवाने का निर्देश दिया गया। आज की बैठक में विद्यालय प्रबंधन द्वारा आदेशों के अनुपालन पर सहमति व्यक्त की गई तथा यह आश्वासन दिया गया कि विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को पुस्तकों, यूनिफॉर्म अथवा अन्य सामग्री किसी एक ही दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा और सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे जिससे छात्र अभिभावक को किसी भी तरह की आर्थिक बोझ/कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। इस बैठक के माध्यम से जिलाधिकारी ने छात्र/अभिभावकों से अपील की है कि यदि किसी विद्यालय द्वारा निर्गत आदेश का उल्लंघन किया जाता है तो वे तत्काल संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी अथवा जिला शिक्षा पदाधिकारी को सूचित करें। बैठक में जिलाधिकारी के साथ सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी हेमंत सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी, डीपीओ समग्र शिक्षा प्रहलाद प्रसाद गुप्ता उपस्थित थे। बैठक में 300 से अधिक निजी विद्यालयों के प्रबंधक/प्राचार्य उपस्थित थे।

बापूधाम स्टेशन पर मानवता की मिसाल, रेल पुलिस की तत्परता से सुरक्षित हुआ प्रसव

बीएनएम @ मोतिहारी

सूचना मिलते ही बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस ने जिस संवेदनशीलता और मुस्तैदी का परिचय दिया, वह मानवता की मिसाल बन गया। गर्भवती महिला को ट्रेन में प्रसव पीड़ा शुरू होने की जानकारी मिलते ही जीआरपी थाना प्रभारी संतोष कुमार एम्बुलेंस के साथ पहले से स्टेशन पर मौजूद रहे। रेल पुलिस की त्वरित तैयारी ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, बिना किसी देरी के रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। महिला पुलिस कर्मियों की सहायता से पीड़िता को पूरी सावधानी और सम्मान के साथ ट्रेन से उतारा गया। इसके बाद उसे तुरंत एम्बुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया। पूरे अभियान के दौरान रेल पुलिस और मेडिकल टीम ने बेहद संयम, संवेदनशीलता और तेजी के साथ कार्य किया, जिससे महिला को किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी न हो। सदर अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की निगरानी में महिला का इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान महिला ने एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। डॉक्टरों के अनुसार जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। समय पर अस्पताल पहुंचने से जटिल स्थिति को आसानी से संभाल लिया गया, जिससे एक परिवार को नई खुशी मिली। इस मानवीय कार्य के लिए रेल पुलिस की तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की हर ओर सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने भी रेल पुलिस की भूमिका की प्रशंसा की। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बाद रेल पुलिस के चेहरों पर कर्तव्य निभाने की आत्मसंतुष्टि साफ झलक रही थी। यह घटना न केवल प्रशासनिक सजगता का उदाहरण है, बल्कि यह भी साबित करती है कि संवेदनशीलता और समय पर लिया गया निर्णय कई जिंदगियों को सुरक्षित बना सकता है।

कोटवा थाना क्षेत्र में अपहरण कांड का खुलासा 2 घंटे में 3 अपहृत बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोटवा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोटवा थाना क्षेत्र में हुए अपहरण कांड का पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों अपहृत व्यक्तियों को सकुशल बरामद कर लिया, जबकि घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन के साथ दो अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पूर्वी चंपारण से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिनांक 28 जनवरी 2026 की रात्रि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो वाहन से कोटवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-95 के पास से तीन व्यक्तियों का अपहरण कर लिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद कोटवा थाना के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर छापेमारी शुरू की गई। तकनीकी अनुसंधान, मोबाइल लोकेशन और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मोतिहारी जिले के विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन (वाहन संख्या BR01UN5944) को बरामद कर लिया। इसी क्रम में अपहरण कांड में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान-नरेश कुमार, पिता – चंद्र साह, निवासी – जगनिया, थाना – पिपरा, जिला – पूर्वी चंपारण तथा तेजस्वी राज, पिता – प्रेमचंद यादव, निवासी – जगनिया, थाना – पिपरा, जिला – पूर्वी चंपारण के रूप में की गई है। पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई से अपहृत किए गए तीनों व्यक्ति सुरक्षित बरामद किए गए हैं। बरामद व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि अपहरण के पीछे के कारणों और अन्य संलिप्त लोगों की जानकारी मिल सके। पुलिस ने बताया कि इस कांड में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस सफल अभियान में कोटवा थाना पुलिस की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए गए अहम निर्णय

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम के महापौर प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में गुरुवार को उनके कक्ष में सशक्त स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में नगर निगम क्षेत्र की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए।बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में मुख्य सड़कों, नालों तथा गली-मोहल्लों की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही घर-घर कूड़ा उठाव की व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित एवं नियमित रूप से लागू किया जाएगा, ताकि शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, सभी वार्डों में निर्धारित सफाई कर्मियों की संख्या के अनुसार प्रतिदिन सुबह 08 बजे एवं दोपहर 02 बजे जियो-टैगिंग के माध्यम से सफाई कर्मियों की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इससे नगर निगम एवं संबंधित एजेंसी द्वारा सफाई कर्मियों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी। वहीं नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त एवं सुचारु प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इधर महिलाओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देते हुए बैठक में शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यकता के अनुरूप पिंक शौचालयों के निर्माण का निर्णय लिया गया। साथ ही गांधी मैदान परिसर में पिंक शौचालय तथा दिव्यांग जनों के लिए डीलक्स शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पुराने एवं नव-निर्मित शौचालयों की नियमित सफाई एवं समुचित रख-रखाव सुनिश्चित करने हेतु दो अदद मिनी जेटिंग मशीन क्रय करने का भी निर्णय लिया गया। नवयुवक पुस्तकालय के पीछे स्थित पार्किंग स्थल का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। साथ ही महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह परिसर में एक पुस्तकालय के निर्माण का भी निर्णय लिया गया। सफाई व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वार्ड जमादार को अपने-अपने वार्ड में भ्रमण एवं सफाई कार्य के निरीक्षण हेतु प्रति माह 5 लीटर पेट्रोल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। नगर निगम प्रशासन द्वारा लिए गए ये सभी निर्णय शहर के समग्र विकास, स्वच्छता एवं नागरिकों को बेहतर तथा सुगम सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

गैस सिलेंडरों की आड़ में शराब तस्करी का खुलासा, 285 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मोतिहारी–पकड़ीदयाल मुख्य मार्ग पर स्थित सुरेन्द्र हिंदुस्तान पेट्रोलियम के समीप ग्राम सिरसामल सरेह में पुलिस ने शराब तस्करी के एक बड़े प्रयास का खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर मुफ्फसिल थाना पुलिस ने एंटी लिकर टास्क फोर्स (एएलटीएफ) के सहयोग से संयुक्त छापामारी अभियान चलाया। छापामारी के दौरान एक मालवाहक वाहन को रोका गया, जो अशोक लेलैंड कंपनी का बताया गया है और जिसमें इंडेन गैस सिलेंडर लदे हुए थे। तलाशी के क्रम में पुलिस को वाहन में बने एक गुप्त तहखाने का पता चला। जब तहखाने को खोलकर जांच की गई तो उसके अंदर से ऑफिसर चॉइस ब्रांड की 180 मिलीलीटर क्षमता वाली कुल 1584 बोतलें अंग्रेजी शराब बरामद की गईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 285.12 लीटर आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, शराब की तस्करी गैस सिलेंडरों की आड़ में की जा रही थी, ताकि जांच से बचा जा सके। मामले में संलिप्त शराब कारोबारियों की पहचान की जा रही है तथा उनके तस्करी नेटवर्क की भी जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इस अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में औद्योगिक इकाइयों का किया गया भ्रमण

बीएनएम @ मोतिहारी

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सात निश्चय–3 योजना के अंतर्गत औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सरकार का मानना है कि औद्योगिक विकास के माध्यम से न केवल रोजगार के अवसर सृजित होंगे बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इसी दिशा में प्रशासन को यह निर्देश दिया गया है कि व्यापारिक समुदाय और प्रशासन के बीच नियमित संवाद स्थापित किया जाए ताकि उद्योगपतियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके और एक अनुकूल व्यावसायिक वातावरण का निर्माण हो सके। इसी क्रम में हाल ही में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मोतिहारी में व्यापारियों और उद्योगपतियों के साथ बैठक की थी जिसमें उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई थी। इसी क्रम में जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा रिपुराज राइस मिल का दौरा किया और वहां की उत्पादन प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्था तथा कार्यप्रणाली का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही प्रशासन से आवश्यक सहयोग

की जानकारी ली गई। इस दौरान बैठक करते हुए उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया और उन्हें आश्वासन दिया गया कि प्रशासन उनके हर संभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अगले 5 वर्ष में सरकार की प्राथमिकता में औद्योगिक विकास शामिल है और इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध एवं वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि निवेशकों का विश्वास बढ़ाना और व्यापार करने में आने वाली बाधाओं को दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

10 फरवरी से शुरू होगा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 62 लाख लोगों को दवा खिलाने का रखा गया है लक्ष्य

» 11 फरवरी को आयोजित होगा महा अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले को फाइलेरिया (हाथीपांव) मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अपनी रणनीतियां साझा की हैं। आगामी 10 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक जिले में व्यापक स्तर पर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जाएगा। बैठक में उपस्थित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी , प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी , प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, बीपीएम (जीविका), बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति दवा सेवन से वंचित न रहे। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रखंड स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित करना सुनिश्चित करें तथा 10 फरवरी से पूर्व पीआरएस, विकास मित्र, आवास सहायक, वार्ड सदस्य, पंच, टोला सेवक, तालिमी मरकज आदि के माध्यम से गाँव-गाँव जाकर अभियान के प्रति जन-जागरूकता फैलाएं। साथ ही, सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी 11 फरवरी को उपस्थित रहकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस अभियान के तहत 10 से 24 फरवरी के बीच आशा दीदी घर घर जा कर दावा खिलेंगी 25 से 27 फरवरी को स्कूल मे बूथ लगा कर स्कूल के बच्चों को दावा खिलाया जाएगा। 11 फरवरी 2026 को 'महा-अभियान के लिए बिहार सरकार ने एक करोड़ लोगों को दावा खिलाने का लक्ष्य है जिसके लिए जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर शिविर लगाकर जीविका दीदी एवं उनके परिवार के लोगों को दवा खिलाया जाएगा। जिले में कुल 62,99,129 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य है, जिसके लिए 3,166 टीमें और 316 पर्यवेक्षक मुस्तैद रहेंगे। आज के इस उन्मुखीकरण में पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक मुकेश कुमार द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान किया गया एवं पीरामल फाउंडेशन के प्रखंड स्तरीय प्रतिनिधि द्वारा इस पूरे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र मे भी तकनीकी सहायता प्रदान किया जाएगा। डॉक्टर शरत चंद्र शर्मा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी ने दवा के सेवन के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल साझा किया। सभी पात्र व्यक्तियों को एलबेंडाजोल की एक गोली चबाकर खानी है, जबकि डीईसी की गोलियां निगलना है जिसे उम्र के अनुसार दी जाएंगी जिसमें- 2 से 5 वर्ष - 1 गोली एलबेंडाजोल, 1 गोली DEC

6 से 14 वर्ष- 1 गोली एलबेंडाजोल, 2 गोली DEC

15 वर्ष से अधिक- 1 गोली एलबेंडाजोल 3 गोली DEC जरूरी है।

सावधानियां और अपीलः-

सिविल सर्जन रवि भूषण श्रीवास्तव ने आम जन से अपील की है कि वे इस अभियान को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखें:

- दवा का सेवन कभी भी खाली पेट न करें, कुछ खाने के बाद ही दवा लें।
- स्वास्थ्य कर्मियों (आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) के सामने ही दवा का सेवन करें।
- 2 वर्ष से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति इस दवा का सेवन बिल्कुल न करें।

"फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है जिसका बचाव ही एकमात्र इलाज है। 11 फरवरी को होने वाले महा-अभियान दिवस पर मेरी जिले के प्रत्येक जीविका दीदी से अपील है कि वे सपरिवार आगे आएं और अपनी खुराक लें। हमारे प्रखंड स्तरीय अधिकारी और अन्य कर्मी गाँव-गाँव जाकर लोगों को जागरूक कर करने का प्रयासरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

एनडीपीएस मामले में अभियुक्त को तीन माह का कारावास

बीएनएम @ मोतिहारी। मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े एक मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को सजा सुनाई है। माननीय न्यायालय सूर्यकान्त त्रिपाठी, एनडीपीएस कोर्ट-2, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी द्वारा केसरिया थाना कांड संख्या 362/20 (NDPS केस संख्या 67/20) में धारा 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी की साजिश के आरोप में अभियुक्त भोला कुशवाहा, पिता– किशोरी प्रसाद, निवासी– गरिबा, थाना– कल्याणपुर, जिला– पूर्वी चंपारण) को दोषी ठहराया गया।

न्यायालय ने अभियुक्त को 03 माह का सश्रम कारावास तथा 3,000 अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को 01 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले में राज्य सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रभाष कुमार त्रिपाठी ने प्रभावी पैरवी की।

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान को लेकर हर सोमवार व शुक्रवार को लगेगा विशेष शिविर

बीएनएम @ रक्सौल। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के निर्देशानुसार रक्सौल विद्युत प्रमंडल अंतर्गत सभी कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को विशेष जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। रक्सौल विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि ऊर्जा सचिव सह सीएमडी मनोज कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के सात निश्चय-2 के तहत 'सबका सम्मान–जीवन आसान' संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि शिविर के दौरान सभी संबंधित कार्यालयों में अधिकारी तय समय पर उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनेंगे।

सोमवारः दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक

शुक्रवारः दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक

शिविर के दौरान प्रमंडल कार्यालय में स्वयं कार्यपालक अभियंता, सब-डिवीजन कार्यालय में सहायक विद्युत अभियंता तथा सेक्शन स्तर पर कनीय अभियंता की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में आने वाली सभी शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया जाएगा, ताकि उनके निष्पादन की नियमित निगरानी की जा सके। साथ ही, उपभोक्ताओं की सुविधा और सम्मान का विशेष ध्यान रखने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं। कार्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी और अधिकारियों को उपभोक्ताओं के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार करने का सख्त निर्देश दिया गया है। कार्यपालक अभियंता ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि रक्सौल प्रमंडल के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल, मीटर खराबी, नए कनेक्शन अथवा अन्य तकनीकी समस्याओं के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

"स्टेशन निर्माण के लिए बढ़ेगी भूखंड की चौड़ाईः अपर समाहर्ता

बीएनएम @ बगहा : पनियहवा - तमकुही नई रेल लाइन परियोजना के जद में आने वाले भूखंड का जिला स्तरीय गठित चार सदस्यों की टीम ने निरीक्षण किया। उक्त टीम के द्वारा अंचल कार्यालय पिपरासी का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में कैश बुक की जानकारी अंचल नाजिर राजीव कुमार श्रीवास्तव से लिया, तथा कैश बुक दुरुस्त पाया गया। टीम ने आरटीपीएस का भी निरीक्षण किया। इसके बाद सभी तरह की पंजीयों का अवलोकन कर दिशा निर्देश अपर समाहर्ता के द्वारा दिया गया। अंचलाधिकारी शशिकांत यादव ने बताया कि अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यों की टीम पनियावा - तमकुही नई रेल लाइन परियोजना के जद में आने वाले किसानों की भूखंड का निरीक्षण किया। इस टीम में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी विनोद मिश्रा, जिला निबंधन पदाधिकारी ,बगहा डीसीएलआर शामिल रहे । इस टीम के द्वारा किसानों की भूमि जो रेलवे लाइन के जद में आने वाले का रेट भी निर्धारण किया जाएगा । भूमि के रेट का निर्धारण करने के बाद रेलवे विभाग को भेजी जाएगी, इससे पूर्व भूमि अधिग्रहण हुई है । और दर्जनों किसानों की भुगतान भी जिला भू अर्जन पदाधिकारी के द्वारा किया जा चुका है। डुमरी मौजा,सौरहा,पिपरासी में टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया। वर्तमान में रेलवे का स्टेशन भी पिपरासी के सीमावर्ती क्षेत्र के जरार जटहा में निर्मित होना है। इस लिए भूखंड की चौड़ाई बढ़ेगी। इससे आवश्यक निर्देश सीओ को दिया। मौक पर अंचल अमीन मनोज यादव, राजस्व कर्मी अमीत कुमार,विट्टू कुमार,रंजन कुमार आदि मौजूद रहे।

विशेष धावा अभियान में तीन बाल श्रमिक मुक्त, दो प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

बीएनएम @ रक्सौल

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी आदापुर के नेतृत्व में आदापुर प्रखंड क्षेत्र में विशेष धावा दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान आदापुर प्रखंड के दो प्रतिष्ठानों—जय गुरुदेव मिलन स्वीट्स से दो बाल श्रमिक तथा श्री अन्नपूर्णा स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट से एक बाल श्रमिक—को मुक्त कराया गया। इस प्रकार कुल तीन बाल श्रमिकों को धावा दल की टीम द्वारा विमुक्त किया गया। श्रम अधीक्षक रमाकांत ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत बच्चों से कार्य कराना पूरी तरह गैरकानूनी है। उक्त अधिनियम के अंतर्गत बाल श्रमिकों से काम कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। साथ ही विमुक्त सभी बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत कर बाल गृह में रखा गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना तथा दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्रति बाल श्रमिक 20,000 रुपये की दर से नियोजकों से राशि की वसूली की जाएगी। आज के विशेष धावा अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी आदापुर, चिरैया एवं तुरकौलिया, डंकन हॉस्पिटल रक्सौल, प्रयास संस्था, जीएनके के प्रतिनिधि, आदापुर थाना के छह पुलिसकर्मी तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल थी। श्रम अधीक्षक ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नेपाल में फर्जी भारतीय मुद्रा के साथ बिहार के दो युवक गिरफ्तार, जांच जारी

बीएनएम @ सागर सूरज

काठमांडू/सीतामढ़ी। नेपाल पुलिस ने फर्जी भारतीय मुद्रा के साथ बिहार के दो निवासियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दक्षिणी नेपाल के रौतहट जिले में नियमित सुरक्षा जांच के दौरान की गई। गिरफ्तार युवकों की पहचान बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी बिक्रम कुमार पासवान (30) और राहेश कुमार साह (42) के रूप में हुई है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, दोनों आरोपी भारतीय पंजीकृत मोटरसाइकिल से नेपाल में प्रवेश कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने शक के आधार पर उनकी तलाशी ली, जिसमें उनके पास से फर्जी भारतीय मुद्रा बरामद की गई। जब्त नकली नोटों में एक 500 रुपये का नोट और 200 रुपये के दस नोट शामिल हैं। बरामद फर्जी मुद्रा की कुल कीमत 2,500 रुपये बताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी मंगलवार की रात की गई। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों से फर्जी नोटों के स्रोत और उनके इस्तेमाल से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। नेपाल पुलिस को आशंका है कि यह मामला सीमा पार नकली मुद्रा तस्करी से जुड़ा हो सकता है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आगे की जांच के लिए रौतहट जिला पुलिस कार्यालय को सौंप दिया गया है। नेपाल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी मुद्रा कहां से लाई गई थी और इसके पीछे किसी बड़े गिरोह की भूमिका है या नहीं। साथ ही, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों से भी समन्वय स्थापित किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इस घटना के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। सुरक्षा एजेंसियां सीमा पर निगरानी और सख्त करने की बात कर रही हैं ताकि फर्जी मुद्रा और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है।

जीविका लाइब्रेरी में छात्रों को मिलेगी वाई-फाई की सुविधा, एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान बीपीएम को दिए आदेश

बीएनएम @ अरेराज

शिक्षा और संसाधनों की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अंजलि शर्मा ने स्थानीय जीविका द्वारा संचालित लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण किया। इस भ्रमण के दौरान उन्होंने लाइब्रेरी की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और वहां मौजूद पठन-पाठन कर रहे छात्रों से सीधा संवाद स्थापित किया। एसडीएम ने छात्रों से वहां उपलब्ध सुविधाओं और पढ़ाई के माहौल के संबंध में फीडबैक लिया, ताकि व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।संवाद के दौरान छात्रों ने आधुनिक शिक्षा की जरूरतों को देखते हुए लाइब्रेरी में वाई-फाई कनेक्टिविटी की कमी की बात उठाई और एसडीएम से इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने का सामूहिक अनुरोध किया। छात्रों की पढ़ाई के प्रति इस उत्सुकता और डिजिटल संसाधनों की आवश्यकता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने त्वरित कदम उठाए। उन्होंने मौके से ही बीपीएम (BPM) जीविका से संपर्क कर उन्हें लाइब्रेरी में तत्काल वाई-फाई कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। एसडीएम की इस तत्परता से छात्रों में खुशी की लहर है, क्योंकि अब उन्हें ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और रिसर्च में काफी सहूलियत मिलेगी।

समकालीन अभियान में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शराबी सहित 12 वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

मोतिहारी पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर हरसिद्धि पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है, पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर शराबी सहित कुल 12 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून- व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता साफ नजर आई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हरसिद्धि के विजय अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल, सोनबरसा के अनिल कुमार व अभिकांत पांडे, दुदही के दीप नारायण सहनी व शंभू प्रसाद, हरसिद्धि बाबू टोला के मोहन दास, पकड़िया के पप्पू कुमार, चंद्रहीय के शिवनाथ महतो, कनछेदवा के रितु रंजन कुमार तथा यादवपुर के रामप्रवेश शाह शामिल हैं। मामले की पुष्टि करते हुए प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों और शराब के आरोप में पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस छापेमारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष संतोषी कुमारी, अविनाश कुमार सहित सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

बेतिया डीडीसी ने लिया मधुबनी के सरकारी दफ्तरों का जायजा

बीएनएम @ बगहा / मधुबनी

बांसी नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण में गड़बड़ी की मिली शिकायत

गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड की प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से गुरुवार को उप विकास आयुक्त (DDC) काजले वैभव नितिन ने विभिन्न सरकारी कार्यालयों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड मुख्यालय, मनरेगा कार्यालय, सीडीपीओ कार्यालय और बीआरसी सहित कई विभागों की फाइलों और उपस्थिति पंजी को खंगाला। जांच के दौरान कई खामियां उजागर हुईं, जिसके बाद डीडीसी ने सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सबसे गंभीर स्थिति एफएफसी गोदाम में देखने को मिली, जहां से राशन की निकासी तो की जा रही थी, लेकिन मौके पर न तो कोई अधिकारी मौजूद था और न ही कोई कर्मी। इस घोर लापरवाही पर डीडीसी ने संबंधितों से स्पष्टीकरण (शो-काज) मांगने का आदेश दिया। वहीं, मधुबनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) की जांच में पाया गया कि अस्पताल के मुख्य द्वार पर डॉक्टर ड्यूटी रोस्टर नहीं लगा था। डीडीसी ने मरीजों की सुविधा के लिए तत्काल रोस्टर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया और दवा वितरण व प्रसव कक्ष की साफ-सफाई का भी जायजा लिया।राजकीय मध्य विद्यालय दहवा और स्वच्छता कार्यालय के निरीक्षण के बाद डीडीसी ने प्रखंड मुख्यालय के सभी कार्यालयों का जनरल ऑडिट किया। इसी क्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुशवाहा ने बांसी नदी की गंदगी और सौंदर्यीकरण कार्यों में बरती गई अनियमितताओं की ओर डीडीसी का ध्यान आकृष्ट कराया। डीडीसी ने आश्वासन दिया कि अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी।

हत्या के प्रयास के दो मामलों में चार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ कल्याणपुर (पूर्वी चंपारण)

कल्याणपुर थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के प्रयास से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सभी के विरुद्ध अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार कल्याणपुर थाना कांड संख्या 17/20 (हत्या के प्रयास) में नामजद अभियुक्त असेसर सहनी, पिता हिरा सहनी, निवासी सिसवा खरार, थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चंपारण, मोतिहारी को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार कल्याणपुर थाना कांड संख्या 16/20 (हत्या के प्रयास) के तहत तीन अन्य अभियुक्तों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें प्रभु सहनी, पिता स्वर्गीय मोहर सहनी, राजनारायण सहनी, पिता स्वर्गीय साधू सहनी तथा सोनू कुमार, पिता प्रभु सहनी शामिल हैं। तीनों अभियुक्त सिसवा खरार, थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के निवासी बताए जा रहे हैं।

डुमरियाघाट में ट्रैफिक नियमों का दोहरा पैमाना! चालान काटने पहुंची पुलिस खुद नियम तोड़ती कैमरे में कैद, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

बीएनएम@डुमरियाघाट

- गांव में घुसकर चालान काटने और पुलिस चालक और अधिकारी द्वारा खुद ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने को लेकर ग्रामीणों से नोंक झोंक
- डुमरियाघाट पुलिस को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोग कर रहे ट्रोल

"कानून सबके लिए बराबर"का दावा एक बार फिर डुमरियाघाट में सवालों के घेरे में आ गया, जब सेंभुआपुर गांव में गुरुवार को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन रोकने पहुंची पुलिस खुद उन्हीं नियमों की धज्जियां उड़ाती नजर आई। गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में डुमरियाघाट थाना की महिला दारोगा निधि कुमारी पुलिस बल व सरकारी वाहन के साथ गांव के अंदर बाइक सवार युवक का ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट को लेकर चालान काटती दिख रही हैं। लेकिन जैसे ही ग्रामीणों ने पुलिस से भी नियमों के पालन का सवाल उठाया, माहौल गर्म हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस वाहन के सरकारी चालक से ड्राइविंग लाइसेंस दिखाने की मांग की और वाहन में सीट बेल्ट नहीं लगाए जाने पर कड़ा ऐतराज जताया। सवाल यह था अगर आम जनता के लिए नियम है, तो पुलिस उससे ऊपर क्यों? ग्रामीणों के तीखे सवालों से घिरी महिला दारोगा कुछ पल के लिए असहज नजर आईं और आनन-फानन में अपनी सीट बेल्ट लगाती दिखाई दीं, जिसका दृश्य कैमरे में कैद हो गया। वहीं सरकारी चालक ने लाइसेंस दिखाने से इंकार करते हुए थाना आने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया। कुछ ही देर बाद पुलिस वाहन बिना जवाब दिए मौके से निकल गया। यह पूरा घटनाक्रम सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। लोग पुलिस की कार्यशैली, जवाबदेही और नियमों के कथित दोहरे मापदंड पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि डुमरियाघाट पुलिस अब गांव गांव घूमकर गाड़ियों का चालान काट रही है। लेकिन खुद ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रही है। इनका चालान कौन काटेगा। वायरल वीडियो ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कानून सिर्फ जनता के लिए है, या वर्दी पर आते ही नियम बदल जाते हैं।

दुकानदारों से ठगी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार, जांच जारी

बीएनएम @ अरेराज

थाना क्षेत्र में दुकानदारों से सामान खरीदने और भुगतान के नाम पर कई दुकानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर ठग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजकिशोर ठाकुर, पिता हरदिया ठाकुर, निवासी मूर्तियां, थाना नौतन, जिला पश्चिमी चंपारण के रूप में की गई है। आरोपी पर आरोप है कि वह दुकानों से सामान उठाकर भुगतान का भरोसा देता था, लेकिन बाद में पैसा नहीं देता था, जिससे कई व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और इस बात की भी जांच की जा रही है कि उसने किन-किन दुकानदारों को ठगी का शिकार बनाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है और ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

निजी विद्यालयों की व्यवस्था जांचने पहुंचीं एसडीओ अंजली शर्मा, छात्र हित में दिए कड़े निर्देश

बीएनएम @ अरेराज

नगर पंचायत स्थित विभिन्न निजी विद्यालयों में आज उस समय हलचल तेज हो गई जब अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा अचानक निरीक्षण के लिए पहुंचीं। जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से किए गए इस भ्रमण के दौरान उन्होंने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण का गहराई से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला प्रशासन छात्रों और अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एसडीओ ने विद्यालय संचालकों और प्रिंसिपलों के साथ संवाद करते हुए हिदायत दी कि वे सरकारी निर्देशों का अक्षरशः पालन करें ताकि छात्रों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा को सुलभ और तनावमुक्त बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो भी संस्थान मानकों की अनदेखी करेंगे, उन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हर रोज नई ऊंचाई

सोने और चांदी की कीमतों में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे दुनिया की आर्थिक, वित्तीय, एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव नाटकीय ढंग से बढ़ रहा है। इस गति की अपेक्षा उन लोगों को भी नहीं थी, जो अंतरराष्ट्रीय कारोबार की मुद्रा के रूप में डॉलर के भविष्य को लेकर आशंकित रहे हैं। सोमवार को न्यूयॉर्क में प्रति औंस सोने का भाव 5000 डॉलर के ऊपर चला गया। भारत में प्रति दस ग्राम सोने की कीमत एक लाख 66 हजार रुपये से अधिक हो गई है। इसी के साथ चांदी के भाव में बेहद तेज उछाल आया है। सोमवार को भारत में प्रति किलोग्राम चांदी का भाव तीन लाख 60 हजार रुपये से अधिक दर्ज किया गया। इन दोनों धातुओं की कीमत में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे वैश्विक आर्थिक, वित्तीय एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। वैसे तो यह ट्रेंड कई साल पहले शुरू हो गया था, लेकिन 2025 में विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों के सोना खरीदने की होड़ काफी तेज हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है कि सभी देशों को मिला कर देखें, तो उनके सेंट्रल बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में मौजूद सोने की कीमत उनके भंडार में मौजूद डॉलर की कीमत से अधिक हो गई है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय भुगतान में डॉलर अब भी सबसे बड़ा माध्यम है, लेकिन आनुपातिक रूप से इसके हिस्से में गिरावट आई है। इस बीच डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों ने डॉलर को लेकर निवेशकों में अविश्वास और बढ़ाया है, जिस वजह से वे डॉलर संपत्तियां बेच कर सोना और चांदी खरीद रहे हैं। उनमें यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि देर-सबेर गोल्ड स्टैंडर्ड वापस आएगा, जिसमें मुद्राओं की कीमत संबंधित देश के भंडार में मौजूद सोने से तय होगी। जिंबाब्वे ने अपनी मुद्रा को स्वर्ण से जोड़ कर मुद्रास्फीति दर घटाने में अप्रत्याशित सफलता पाई है। इससे यह संदेश मजबूत हुआ है कि दुनिया एक बड़े बदलाव के मुहान पर है। मगर इस परिघटना का सबसे ज्यादा नुकसान भारत जैसे देशों के आम लोगों को हुआ है। सोना हर रोज उनकी पहुंच से और अधिक बाहर होता जा रहा है।

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाईः दुर्योग या विमानन व्यवस्था की कमजोरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है- संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती हैः क्या विमान हादसे महज संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम या विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी? भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40–50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती–मुंबई–दिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं। लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कमर्शियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं- सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी। अजित पवार की दुर्घटना हो या वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान- प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं। यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कमर्शियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पातीं। चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाणपत्रों, पायलट रेस्ट-नॉर्म्स और हेलीपैड मानकों की अनदेखी सामने आई। राजनीतिक दलों द्वारा लिए जाने वाले तथाकथित 'पॉलिटिकल पैकेज'- कम कीमत, पुराने मॉडल- जोखिम को और बढ़ाते हैं। एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या वास्तव में केवल नेता ही विमान हादसों में मरते हैं? उत्तर है- नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का फोकस हाई-प्रोफाइल चेहरों पर टिक जाता है। यही चयन-पूर्वाग्रह है- जो दिखता है, वही पूरा सत्य लगने लगता है। वैश्विक स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेह काचिंस्की, अफ्रीका और रूस में राष्ट्राध्यक्षों की हवाई दुर्घटनाएँ- हर जगह साजिश की थ्योरी पहले आती है, तथ्य बाद में। जबकि अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय भूल और सिस्टम फेलियर का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्य से सनसनीखेज़ी पत्रकारिता इन हादसों को 'राजनीतिक षड्यंत्र' में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी गहराता है। समस्या मूलतः व्यवस्थागत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड विमानों की निगरानी के लिए संसाधन सीमित हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, पर उनका प्रवर्तन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड- तीनों में गंभीर सुधार की जरूरत है। अब समय आ गया है

कि शोक के बाद भूलने की परंपरा छोड़ी जाए। इसके लिए कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम अनिवार्य हैं। सबसे पहले, राजनेताओं के लिए एक डेडिकेटेड एयर विंग विकसित किया जाना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय वायुसेना का वीवीआईपी बेड़ा संचालित होता है, जिसमें आधुनिक हेलीकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक आधारित प्रचार को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का दबाव घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, उड़ान से पहले तकनीकी जाँच और विमान रखरखाव पर जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली प्राइवेट कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए भी जिम्मेदार रिपोर्टिंग संबंधी स्पष्ट गाइडलाइंस तय हों, ताकि हर विमान हादसे को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती- वह सत्ता संतुलन, नीतिगत निरंतरता और लोकतांत्रिक भरोसे को भी चोट पहुँचाती है। अजित पवार, वाई.एस.आर. या संजय गांधी- हर हादसा हमें चेतावनी देता है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर व्यवस्था का परिणाम हैं। अगर आज सुधार नहीं हुआ तो कल शोक केवल दोहराया जाएगा। लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए- यह केवल एक भावनात्मक नारा नहीं बल्कि समय की ठोस माँग है। बार-बार होने वाले विमान और हेलीकॉप्टर हादसे यह स्पष्ट कर चुके हैं कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरी से जुड़ी है। जब लोकतंत्र के प्रतिनिधि असुरक्षित साधनों से यात्रा करने को मजबूर होते हैं तो उसका दुष्परिणाम केवल एक परिवार या दल नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र को भुगतना पड़ता है। नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीतियों में अस्थिरता और जनता के भरोसे में दरार पैदा करती है। इसके साथ ही साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थाओं को और कमजोर करती हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति से जोड़ा जाए। सुरक्षा मानकों में ढील, निगरानी की कमजोरी और जल्दबाज़ी में भरी गई उड़ानें घातक साबित हो सकती हैं। सुधार आज होंगे, तभी कल शोक की पुनरावृत्ति रुकेगी।

शिक्षा बजट में समाज-विज्ञानों पर ध्यान देने की जरूरत

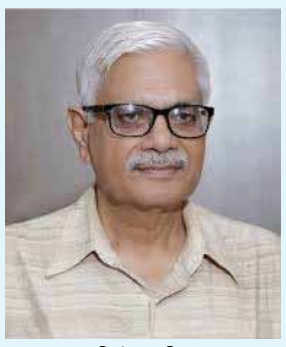

गिरीश्वर मिश्र

अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता मिलने के समय भारत को एक पिछड़ा और तीसरी दुनिया का देश मान कर उसके लिए 'विकास' को जरूरी कदम ठहराया गया। इस क्रम में विकास को पश्चिमी देशों की स्थिति के अनुसार पहचाना और परिभाषित किया गया। इसके अनुरूप विकसित भारत के रूपांतरण के लिए आधुनिक भारत में शिक्षा की योजना में प्राकृतिक विज्ञानों और प्रौद्योगिकी पर ज़्यादा बल दिया जाता रहा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण या मनोवृत्ति (साइंटिफ़िक टेम्पर) अपनाने की बात भी की जाती रही है। इसके लिए अभियान भी चले। आज भी यह फैशन में है और बहुतों की नजर में भारतीयता या भारतीय ज्ञान संपदा वैज्ञानिक मनोभाव के लिए खतरा है। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर भी विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पक्षों (जैसे-कानून, चिकित्सा, प्रबंधन आदि) की ओर भी ध्यान दिया गया, अनेक संस्थाएं खड़ी हुईं और अनेक उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थानों की नींव पड़ी और इसका क्रम आगे भी जारी है। आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे। सामाजिक विज्ञानों और मानविकी पर अध्ययन-अनुसंधान के लिए कोई ख़ास तवज्जो नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विज्ञानों के लिए आवश्यक सुविधा और अनुदान के लिए सहयोग भी अपेक्षाकृत कम मात्रा में मिलता रहा। गौरतलब है कि समाज हर तरह के विकास की कसौटी है और लक्ष्य भी। अंततः सारी योजनाएं और आयोजन समाज की स्थिति को सुधारने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी होती हैं। सामाजिक परिवर्तन को किसी तरह नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हर समाज में निरंतरता और परिवर्तन दोनों होते रहते हैं। ऐसे में समाज की गतिविधि और उसकी संस्थाओं को समझना और उनमें सुधार की निरंतर जाँच पड़ताल होती रहनी चाहिए। दरअसल, समाज का उद्विकास (इवोल्यूशन) होता है, यानी जो है उसमें से फिर पनपता है। बाहर से आरोपित होने पर वह आत्मसात नहीं हो पाता है। इसलिए बिना जाने-समझे परम्परागत ज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल प्राकृतिक विज्ञानों से ही सामाजिक विकास का लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता। समाज भी कई स्तरों पर संचालित होता है। समुदाय, देश के अंदर, देश के बाहर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसलिए समाज विज्ञानों और मानविकी का अध्ययन आवश्यक है। समाज गतिशील संरचना है। इसलिए समय के साथ सहयोग और संघर्ष भी बढ़ते हैं। शिक्षा समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है और भारत में अति प्राचीनकाल से इसकी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र और गुरुकुल रहे हैं। जब अंग्रेज़ आए थे तो उन्हें भारत में एक अच्छी शिक्षा मौजूद मिली थी। परंतु उन्होंने अपने शासन को स्थापित करने के लिए देश के मानस को बदलने की ज़रूरत महसूस की और ऐसी शिक्षा को यहाँ रोपा जो समाज को उसकी संस्कृति से काट दे। इसलिए औपनिवेशिक शिक्षा में अंग्रेजों ने अपने हित के अनुसार भारतीय शिक्षा को उखाड़ दिया था। वह हाशिए पर पहुँच गई और उसकी जगह पश्चिमी शिक्षा को स्थापित किया था। औपचारिक रूप से उसे आजीविका से भी जोड़ दिया गया। शिक्षा का माध्यम भी विदेशी भाषा अंग्रेज़ी को बना दिया गया। इसका अभ्यास लगभग दो सदियों में इस तरह सुदृढ़ किया गया कि भारतीय भाषाएँ अनौपचारिक प्रयोग का विषय बनकर रह गईं और शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए अंग्रेज़ी अनिवार्य हो गई। इस तरह विषय वस्तु, सिद्धांत और उसके अध्ययन और शोध के लिए माध्यम के रूप में अंग्रेजी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ता गया। इस प्रक्रिया ने अंग्रेजी की प्रतिष्ठा को ठोस आधार प्रदान किया। इसने लोगों की सांस्कृतिक अभिरुचि और सांस्कृतिक ज्ञान दोनों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। उसी की व्यवस्था में भारतीय शिक्षा जकड़ती चली गई। इस पाश्चात्य मॉडल की शिक्षा को वैश्विक मान लिया गया और उसी रूप में इसके प्रति हमारी श्रद्धा बनती गई जबकि सभी विकसित देशों में शिक्षा का आयोजन स्वाभाविक रूप से उनकी अपनी भाषा और उनकी अपनी संस्कृति से जुड़ कर ही किया जाता रहा। भारत द्वारा स्वीकार की गई नई शिक्षानीति समावेशी दृष्टि अपनाते हुए देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बौद्धिक और सामाजिक संसाधन की तरह देखती है। इसके अंतर्गत स्थानीय और राष्ट्रीय परिदृश्य को स्थान दिया गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण संकल्प किया गया है कि मातृभाषाओं को शिक्षा प्रक्रिया के केंद्र में लाया गया है। देश में संपर्क, सौहार्द और समरसता लाने के लिए त्रिभाषा सूत्र को अमल में लाने के लिए यत्न किया जा रहा है। साथ ही शिक्षा नीति में भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने का अधिकाधिक अवसर बनाया गया है। इन बातों को ध्यान में रखकर नए बजट में शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अब तक शिक्षा के लिए नगण्य प्रावधान होता रहा है। युवा भारत को कुशल और सक्षम मानव संसाधन में रूपांतरित करने के लिए उदारतापूर्वक संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। आशा है भारत सरकार इस दिशा में ज़रूरी व्यवस्था करेगी।

राष्ट्र की आत्मा शहीदों में बसती है और जब तक हम उन्हें स्मरण करते रहेंगे, तब तक भारत की चेतना जीवित रहेगी

कांतिलाल मांडोत

30 जनवरी भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर में केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह वह दिन है जो हमें हमारे राष्ट्र की आत्मा, उसके संघर्ष, उसके नैतिक मूल्यों और उन अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है जिनकी नींव पर आज़ाद भारत खड़ा है। यह दिन शहीद दिवस या सर्वोदय दिवस के रूप में मनाया जाता है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है। 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली के बिरला हाउस में प्रार्थना सभा के दौरान महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई थी। यह क्षण केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं था, बल्कि मानवता, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाली चेतना को झकझोर देने वाला क्षण था। इसी कारण 30 जनवरी को भारत अपने सभी शहीदों को स्मरण करता है और उनके सर्वोच्च त्याग के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। महात्मा गांधी का जीवन और बलिदान भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। उन्होंने सत्य और अहिंसा को केवल राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि जीवन का मूल दर्शन बनाया। उनका विश्वास था कि हिंसा से प्राप्त विजय टिकाऊ नहीं होती, जबकि नैतिक बल से प्राप्त स्वतंत्रता समाज को स्थायी रूप से बदल देती है। जब 30 जनवरी 1948 को उन्हें हमसे छीन लिया गया, तब पूरा देश शोक में डूब गया। उस दिन भारत ने न केवल अपने राष्ट्रपिता को खोया, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक को भी खो दिया जिसने दुनिया को यह सिखाया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्य झुकाए जा सकते हैं। शहीद दिवस इसी ऐतिहासिक पीड़ा और प्रेरणा का प्रतीक है। शहीद दिवस का उद्देश्य केवल अतीत को याद करना नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य को दिशा देना भी है। इस दिन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति राजघाट पर जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सुबह 11 बजे पूरे देश में दो मिनट का मौन रखा जाता है। यह मौन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन का क्षण है, जब हर नागरिक अपने भीतर यह प्रश्न करता है कि क्या हम उन आदर्शों पर चल रहे हैं जिनके लिए हमारे शहीदों ने अपना जीवन न्योछावर किया। यह मौन हमें शोर से भरी दुनिया में ठहरकर सोचने का अवसर देता है। भारत का इतिहास शहीदों की गाथाओं से भरा पड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सीमाओं की रक्षा तक, हर युग में भारत की मिट्टी ने अपने सपूतों का लहू देखा है। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी शासन के खिलाफ आवाज़ उठाई और अपने प्राणों की आहुति दी। सैनिकों ने सीमाओं पर खड़े होकर अपने परिवार, अपने सुख और अपने भविष्य को त्याग कर देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। इन सभी शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल एक भूगोल नहीं है, बल्कि एक साझा चेतना है, जिसकी रक्षा के लिए व्यक्तिगत हितों का त्याग आवश्यक होता है। शहीदों की प्रशंसा केवल उनके साहस और वीरता के लिए नहीं, बल्कि उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध के लिए भी की जानी चाहिए। शहीद वे लोग थे जिन्होंने यह समझा कि देश के प्रति जवाबदेही केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में निभाई जाती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। किसी ने फांसी का फंदा हंसते-हंसते स्वीकार किया, तो किसी ने बर्फीली चोटियों पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था और व्यक्तिगत जीवन गौण। यही भावना उन्हें साधारण नागरिकों से असाधारण बनाती है। शहीद दिवस उन आत्माओं की स्मृति है जिन्होंने इसी मिट्टी के लिए सर्वोच्च त्याग किया और अंततः इसी मिट्टी में समाहित हो गए। उनकी राख, उनका लहू और उनकी स्मृतियां इस देश की धमनियों में बहती हैं। जब हम आज़ादी की हवा में सांस लेते हैं, तो उसमें उनके बलिदान की सुगंध भी घुली होती है। जब हम लोकतंत्र के अधिकारों की बात करते हैं, तो उसके पीछे उनकी कुर्बानियों की मजबूत दीवार खड़ी होती है। इसलिए शहीद दिवस केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि कृतज्ञता का दिन है। महात्मा गांधी की शहादत हमें यह भी सिखाती है कि मतभेदों का समाधान हिंसा नहीं हो सकता। उन्होंने अपने जीवन में बार-बार कहा कि अहिंसा कायरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों का हथियार है। शहीद दिवस पर गांधीजी को याद करना हमें उनके इस संदेश की ओर लौटने का अवसर देता है। आज जब समाज में असहिष्णुता, वैमनस्य और हिंसा के स्वर तेज़ होते जा रहे हैं, तब गांधी का दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची देशभक्ति दूसरों को नीचा दिखाने में नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने में है। शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि केवल पुष्पांजलि अर्पित करने या मौन रखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह श्रद्धांजलि तब पूर्ण होती है, जब हम ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। एक जिम्मेदार नागरिक बनना, कानून का सम्मान करना, समाज में सद्भाव बनाए रखना और देश की एकता व अखंडता की रक्षा करना ही शहीदों के बलिदान का वास्तविक सम्मान है। जब एक छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करता है, जब एक किसान मेहनत से अन्न उगाता है, जब एक सैनिक सीमा पर सतर्क रहता है और जब एक नागरिक संविधान का सम्मान करता है, तब शहीदों का सपना साकार होता है। शहीद दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि स्वतंत्रता स्थायी नहीं होती, उसे निरंतर सजगता से संभालना पड़ता है। जिन मूल्यों के लिए शहीदों ने बलिदान दिया, यदि हम उन्हें भूल जाएं, तो उनकी कुर्बानी अधूरी रह जाती है। इसलिए यह दिन आत्ममंथन का दिन है। यह हमें पूछने पर मजबूर करता है कि क्या हम सत्य, अहिंसा, समानता और न्याय जैसे मूल्यों को अपने जीवन में उतार रहे हैं। क्या हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं, जिसकी कल्पना हमारे शहीदों ने की थी। अंततः 30 जनवरी का दिन हमें झुककर नमन करना सिखाता है। यह दिन अहंकार को त्याग कर कृतज्ञता को अपनाने का संदेश देता है। जब पूरा देश दो मिनट के मौन में एक साथ खड़ा होता है, तब वह मौन शब्दों से अधिक बोलता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः मंगलवार को मेष राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहने वाला है। सुबह के समय नए कार्यों को शुरू करने की इच्छा प्रबल रहेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ महसूस होगा। सामाजिक गतिविधियों या किसी छोटे आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि दोपहर के बाद शारीरिक थकान या हल्की असहजता महसूस हो सकती है।

वृषभ राशिः वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन थोड़ा उलझन भरा हो सकता है। कुछ काम अपेक्षा के अनुसार पूरे न होने से मन असंतुष्ट रह सकता है। कार्यस्थल पर दबाव अधिक महसूस होगा, जिससे मानसिक थकावट बढ़ सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल होने लगेंगी और रुके हुए कामों में गति आएगी। आर्थिक दृष्टि से दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला लेने से बचना समझदारी होगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन सक्रियता और संपर्कों से भरा रहेगा। पारिवारिक और व्यावसायिक दोनों मोर्चों पर व्यस्तता बनी रहेगी। कोई नया अवसर या जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा। काम का बोझ अधिक होने के कारण थकान महसूस हो सकती है, लेकिन लक्ष्य पूरे होने से संतोष भी मिलेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए प्रयासों की शुरुआत हो सकती है, लेकिन शुरुआत में दिशा को लेकर असमंजस महसूस होगा। वरिष्ठों की सलाह लेने से स्थिति स्पष्ट होगी। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत रहेगी, खासकर बाहर की भागदौड़ से बचना बेहतर रहेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत कुछ भारीपन के साथ हो सकती है। मानसिक तनाव या चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और पारिवारिक माहौल सुखद बनेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से जरूरी चर्चा संभव है, जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

कन्या राशिः कन्या राशि के जातकों के लिए यह दिन संयम और धैर्य की मांग करेगा। नए कार्यों या लंबी यात्राओं को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। मानसिक रूप से आप अंतर्मुखी रह सकते हैं और आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी या क्रोध से नुकसान हो सकता है, इसलिए संतुलित व्यवहार जरूरी रहेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों के लिए मंगलवार का दिन सकारात्मक शुरुआत के साथ आएगा। नया काम शुरू करने या किसी योजना पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं और किसी अहम मीटिंग से फायदा हो सकता है। व्यापार विस्तार के लिए यात्रा की संभावना भी बन सकती है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह दिन बौद्धिक गतिविधियों और योजनाओं में व्यस्त रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में समय अनुकूल है और व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। दोपहर के बाद मित्रों या रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही नुकसानदेह हो सकती है, इसलिए दिनचर्या पर ध्यान दें।

धनु राशिः धनु राशि वालों को मंगलवार को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है। यात्रा से बचना हितकर रहेगा। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं और घर से जुड़े किसी कार्य पर खर्च संभव है।

मकर राशिः मकर राशि के जातकों के लिए यह दिन भावनाओं पर नियंत्रण रखने का है। जमीन-जायदाद या दस्तावेजों से जुड़े मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। मानसिक चिंता बनी रह सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। संतान या परिवार से जुड़ी किसी बात को लेकर मन व्यस्त रहेगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों के लिए दिन नए विचारों और योजनाओं से भरा रहेगा। हालांकि किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले रुककर सोचने की जरूरत होगी। कार्यस्थल पर पुराने अधूरे काम निपटाने पर ध्यान जाएगा। रचनात्मक या साहित्य से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा है।

मीन राशिः मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार को आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है और आय बढ़ाने के नए विकल्पों पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कड़ी रहेगी और विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। वाणी और व्यवहार में संयम रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए दिनचर्या पर ध्यान दें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

एजेंसी, नई दिल्ली

तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है। कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाजी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं। श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं। राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है। उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा। राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है। उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है। इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं। राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं। हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है। टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला। कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर भारत की मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी-20 सीरीज में शानदार शुरुआत

एजेंसी, ग्रेटर नोएडा

भारत ने ऐतिहासिक पांच मैचों की इंडिया बनाम इंग्लैंड मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज की शुरुआत दमदार जीत के साथ की। शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, ग्रेटर नोएडा में खेले गए पहले मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।<टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। कप्तान कैलम फ्लिन ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई, जबकि लियान ओ'ब्रायन ने 41 गेंदों में 55 रनों की संयमित पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। विकेटकीपर-बल्लेबाज एंगस ग्रांट ब्राउन ने अंत में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 170 के पार पहुंच सका। भारत की ओर से गेंदबाजी में आकाश सिंह और विवेक कुमार ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर इंग्लैंड की रनगति को नियंत्रित रखा और बड़े साझेदारियों को बनने से रोका। जवाब में भारत ने लक्ष्य का पीछा बेहद आत्मविश्वास के साथ किया और 18.5 ओवर में 3 विकेट पर 175 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय पारी के हीरो विकेटकीपर-बल्लेबाज योगेंद्र भडोरिया रहे, जिन्होंने 59 गेंदों में शानदार 94 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। योगेंद्र को आकाश सिंह का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में 36 रन की तेज पारी खेली। इसके अलावा अर्जुन गावरे ने 13 रन बनाए, जबकि माजिद (नाबाद 12) और कप्तान रविंद्र सांते (नाबाद 11) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। मैच के बाद योगेंद्र भडोरिया ने कहा, "यह पुरस्कार मेरे लिए खास है, लेकिन असल में यह पूरी टीम का है। हमने आत्मविश्वास के साथ खेला और समावेशन व समान अवसर की भावना वाली इस सीरीज में योगदान देना गर्व की बात है।" यह सीरीज शारीरिक, श्रवण और बौद्धिक दिव्यांग खिलाड़ियों को एक ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने की पहल का हिस्सा है। सीरीज का दूसरा टी20 मुकाबला भी ग्रेटर नोएडा में ही खेला जाएगा।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं : बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है। ' वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

एजेंसी, नवी मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं। अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था। उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट-A मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए। उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये। साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे। 33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा। राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा। साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा। उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन का आनंद लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।'राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है। मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है। यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं। जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए लिवाली का जोर बनता हुआ नजर आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवालों ने दबाव बना दिया। इस दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, ओएनजीसी और एनटीपीसी के शेयर 3.03 प्रतिशत से लेकर 1.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मारुति सुजुकी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, इंटरग्लोब एवियशन और एशियन पेंट्स के शेयर 2.44 प्रतिशत से लेकर 1.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,687 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 939 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,748 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 24.28 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,368.96 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर 82,386.79 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 575.57 अंक की गिरावट के साथ 81,769.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 2.25 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 25,345 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवाली का सपोर्ट बनने पर ये सूचकांक उछल कर 25,359.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 162 अंक लुढ़क कर 25180.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,344.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

स्टील आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कोकिंग कोल 'क्रिटिकल मिनरल' घोषित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, 1957 के तहत कोकिंग कोल को 'क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल' घोषित किया है। इस कदम का मकसद इंपोर्ट पर निर्भरता कम करना और घरेलू स्टील सप्लाई चेन को मजबूत करना है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक खनन क्षेत्र में जारी संरचनात्मक सुधारों के तहत और आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत सरकार ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर अधिनियम) के अंतर्गत कोकिंग कोल को एक महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज के रूप में अधिसूचित किया है। इसकी जानकारी https://coal.nic.in/sites/default/files/2026-01/29-01-2026a-wn.pdf के जरिए प्राप्त की जा सकती है। मंत्रालय के मुताबिक यह निर्णय विकसित भारत लक्ष्यों के कार्यान्वयन पर उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी-वीबी) की सिफारिशों और नीति आयोग से प्राप्त नीतिगत सुझावों के आधार पर लिया गया है, जिसमें खनिज सुरक्षा सुनिश्चित करने और घरेलू इस्पात क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में कोकिंग कोयले की रणनीतिक भूमिका को मान्यता दी गई है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक भारत में अनुमानित 37.37 अरब टन कोकिंग कोयले का भंडार है, जो मुख्य रूप से झारखंड में स्थित है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में भी भंडार मौजूद हैं। घरेलू स्तर पर इतनी उपलब्धता के बावजूद, कोकिंग कोयले का आयात वित्त वर्ष 2020-21 में 51.20 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 57.58 मिलियन टन हो गया है। वर्तमान में, इस्पात क्षेत्र की कोकिंग कोयले की लगभग 95 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी होती है, जिससे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। मंत्रालय के मुताबिक इस निरंतर निर्भरता को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एमएमडीआर अधिनियम, 1957 की धारा 11सी के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की प्रथम अनुसूची में संशोधन किया है। तदनुसार, भाग अ में "कोयला" शब्द को अब "कोकिंग कोयला सहित कोयला" के रूप में पढ़ा जाएगा और "कोकिंग कोयला" को भाग घ में शामिल किया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की सूची है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक इस श्रेणी में कोकिंग कोयले को शामिल करने से अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी आने, व्यापार करने में सुगमता बढ़ने और गहरे भंडारों सहित अन्वेषण एवं खनन गतिविधियों में गति आने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण खनिजों के खनन को सार्वजनिक परामर्श की आवश्यकता से मुक्त रखा गया है और इससे क्षतिपूर्ति वनीकरण के लिए खराब हो चुकी वन भूमि के उपयोग की अनुमति मिलती है। इन उपायों से निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि इस सुधार से आयात पर निर्भरता कम होने, इस्पात क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ने और राष्ट्रीय इस्पात नीति के उद्देश्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, इससे अन्वेषण, शोधन और उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों को अपनाने में निजी निवेश को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ खनन, रसद और इस्पात मूल्य श्रृंखला में रोजगार सृजन होने की भी उम्मीद है।

बीते एक साल में एटीएम से पैसा निकालने में आया बड़ा बदलाव

राज्यों और शहरों में एटीएम निकासी में भारी अंतर देखा गया

नई दिल्ली। देश के एटीएम अब पहले जैसी भीड़ नहीं देखते। एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 में एटीएम से औसत मासिक नकद निकासी घटकर 1.21 करोड़ रुपए प्रति मशीन हो गई, जबकि 2024 में यह 1.30 करोड़ रुपए थी। हालांकि, एक बार में निकाली जाने वाली रकम बढ़कर 5,835 रुपए हो गई, जो यह दर्शाता है कि लोग अब बार-बार नकद निकालने के बजाय बड़ी रकम एक साथ निकाल रहे हैं। रोजमर्रा की खरीदारी जैसे किराना, बस टिकट, मोबाइल रिचार्ज और छोटे बिलों में नकद की जगह डिजिटल भुगतान, यूपीआई और कार्ड ने ले ली है। रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल भुगतान आंकड़े हर महीने नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, लेकिन नकद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। बड़ी निकासी यह संकेत देती है कि लोग आपातकाल, स्थानीय सेवाओं और उन जगहों के लिए नकद रखना जारी रख रहे हैं जहां डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता। राज्यों के बीच नकद निकासी में बड़ा अंतर देखा गया। कर्नाटक में प्रति एटीएम औसत 1.73 करोड़ निकाला गया, जबकि जम्मू-कश्मीर में यह मात्र 83 लाख रहा। महानगरों की चमक के बावजूद नकद की वास्तविक जरूरत सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों में अधिक रही, जहां प्रति एटीएम औसत 1.30 करोड़ रुपए निकासी हुई। सीज़न और मौसम भी नकद निकासी पर असर डालते हैं। मानसून, गर्मी, प्रदूषण और त्योहारों के समय लोग अधिक नकद निकालते हैं। सीएमएस के खर्च से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि घरों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। 2025 में बीमा खर्च कुल खर्च का 25 प्रतिशत बन गया, जबकि शिक्षा, होटल और मनोरंजन खर्चों में गिरावट दर्ज की गई। नकद अब आदत नहीं, बल्कि भरोसे का सहारा बनकर रह गया है।

रुपया डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92.00 पर

रुपया पिछले दिन सबसे निचले स्तर 91.99 पर पहुंच गया था

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92.00 पर पहुंच गया। डॉलर की स्थिर मांग और वैश्विक स्तर पर सतर्कता के माहौल से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.95 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद महीने के अंत में डॉलर की बढ़ती मांग के बीच डॉलर के मुकाबले 92 पर लुढ़क गया जो अपने पिछले बंद भाव से एक पैसा कम है। रुपया बुधवार को 31 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 91.99 पर पहुंच गया था। इससे पहले रुपया 23 जनवरी को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 96.16 पर रहा।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण हाजिर सोना आज 4,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 5,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 30 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। सोने के भाव में आए इस जोरदार उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,67,090 रुपये से लेकर 1,67,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज डेढ़ लाख रुपये का स्तर पार कर 1,53,160 रुपये से लेकर 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में आए जोरदार उछाल के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु चार लाख रुपये के स्तर को पार कर 4,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,67,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,67,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत

फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना (शहनाज गिल) की कहानी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरीना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं। शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का जन्मदिन 27 जनवरी को है। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरीना का खिताब दिलाया। शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी। साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर माझे दी जट्टी, पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने आए। असली पहचान उन्हें गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया। हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंची, जहां शहनाज ने खुद को पंजाब की कैटरीना कैफ कहकर सबका ध्यान खींचा। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्हें सपोर्ट किया। शहनाज शो की विनर तो नहीं बन पाईं, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतिभागियों में से एक बनीं। बिग बॉस के बाद शहनाज का करियर चमका। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पजामा, वादा है, शोना शोना जैसे कई हिट म्यूजिक वीडियोज किए। उन्होंने बॉलीवुड में सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया और थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं। फिलहाल शहनाज अपनी पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी इक कुड़ी से सुर्खियों में हैं, जिसे दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

हिंदी सिनेमा के लॉयन : किताबें बेचकर मुंबई पहुंचे, सीमेंट की पाइपलाइन में बिताई कई रातें

हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई ऐसे नाम हैं, जिनका सफर खुद एक फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इन्हीं में एक नाम है अजीत खान, जिन्हें हिंदी सिनेमा का लॉयन कहा जाता है। पर्दे पर रौबदार आवाज और आंखों में खौफ लिए खलनायक के रूप में नजर आने वाले अजीत का जीवन संघर्ष और त्याग से भरा रहा। बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड का लॉयन बनने के लिए कभी उन्होंने अपनी किताबें तक बेच दी थीं। अजीत का असली नाम हामिद अली खान था। उनका जन्म 27 जनवरी 1922 को हैदराबाद में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में फिल्मों को लेकर गहरी रुचि थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय की दुनिया के सपने देखा करते थे। उस दौर में फिल्मों में जाना आसान नहीं था। उनका इंडस्ट्री में न कोई गॉडफादर था और न ही उनके पास पैसे थे। इसके बावजूद अजीत ने तय कर लिया कि वह मुंबई जाकर सपनों को पूरा करेंगे। जब उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया, तब उनके पास सफर के लिए भी पूरे पैसे नहीं थे। ऐसे हालात में अजीत ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई की किताबें बेच दीं, ताकि मुंबई पहुंच सकें। किताबें बेचकर वह मायानगरी पहुंचे, लेकिन यहां मुश्किलें खत्म नहीं हुईं, बल्कि असली संघर्ष यहीं से शुरू हुआ। मुंबई में शुरुआती दिनों में अजीत को रहने के लिए भी जगह नहीं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ समय तक उन्हें सीमेंट की पाइपलाइन में रहना पड़ा। बड़े शहर में अकेले, बिना पैसे और पहचान के टिके रहना आसान नहीं था, लेकिन अजीत ने हार नहीं मानी। वह छोटे-मोटे रोल करते रहे और इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश करते रहे। साल 1946 में अजीत को फिल्म शाह-ए-मिस्र में बतौर हीरो काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में मुख्य अभिनेता के तौर पर काम किया, लेकिन वह पहचान नहीं मिली, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसके बाद, अजीत ने विलेन के किरदारों को निभाना शुरू किया और यहीं से उनके करियर ने नया मोड़ ले लिया। विलेन के रूप में अजीत ने हिंदी सिनेमा को एक नया अंदाज दिया। वह पर्दे पर शांत, स्टाइलिश और खतरनाक विलेन के रूप में सामने आए। उनके डायलॉग्स, बोलने का तरीका और आंखों की भाषा दर्शकों के दिलों को छू जाती थी। सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है, मोना डार्लिंग और लिली, डोंट बी सिली जैसे डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर हैं। अजीत ने करियर में कई यादगार फिल्मों में काम किया और हीरो को कड़ी टक्कर दी। खास बात यह थी कि विलेन होने के बावजूद उनकी फैन फॉलोइंग किसी हीरो से कम नहीं थी। पर्दे पर डर पैदा करने वाले अजीत असल जिंदगी में बेहद शांत और अनुशासित थे। लंबे फिल्मी करियर के दौरान अजीत को उनके योगदान के लिए सम्मान भी मिला। उन्होंने हिंदी सिनेमा में विलेन की परिभाषा बदल दी और आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों के लिए एक मिसाल बन गए। 22 अक्टूबर 1998 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका रौबदार अंदाज और संघर्ष से भरी कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

एक्टिंग पहला प्यार तो खाना दूसरा, मास्टरशेफ में करिश्मा ने कपूर खानदान के खोले राज

कपूर खानदान अपनी पार्टियों और खाने-पीने के किस्सों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहता है। अक्सर इस परिवार का कोई न कोई सदस्य मजेदार किस्से ताजा करता रहता है। अब खाने की बात चल रही है तो मास्टरशेफ इंडिया भी पीछे कैसे रह सकता है? कपूर परिवार की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर मास्टरशेफ इंडिया में स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आईं। इस खास एपिसोड में करिश्मा ने बताया कि उनके परिवार में खाना सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि प्यार, पुरानी यादों और परिवार के साथ बिताए पलों का प्रतीक रहा है। इस एपिसोड में कपूर खानदान की पसंदीदा क्लासिक इंडियन डिशेज को सेलिब्रेट किया गया। कंटेस्टेंट्स को चुनौती दी गई कि वे कपूर परिवार की विरासत वाली इन डिशेज की असली आत्मा को बनाए रखते हुए ओरिजिनल फ्लेवर के साथ मास्टरशेफ लेवल की क्रिएटिव डिश तैयार

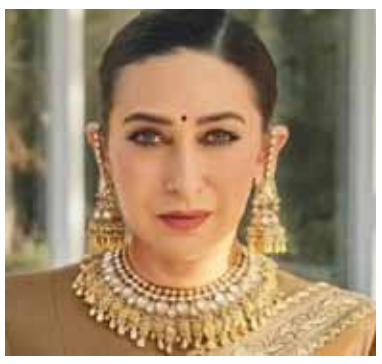

करें। वहीं, इसमें माहौल बनाते हुए शेफ रणवीर बरार कहते हैं, डिश की आत्मा, कपूर परिवार की विरासत, इन क्लासिक इंडियन डिशेज की ओरिजिनैलिटी को बचाते हुए एक मास्टरशेफ-लेवल की डिश बनानी है। करिश्मा ने सिनेमा और खाने के लिए अपने प्यार को भी दर्शाया। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और दूसरा प्यार खाना है, क्योंकि यह बॉलीवुड के पॉपुलर कपूर खानदान की विरासत बांधते हुए आगे लेकर जा रही हैं। इसी के साथ ही करिश्मा ने इमोशनल कनेक्शन के बारे में बताया, हमारे परिवार का खाना हमेशा प्यार, यादों और साथ में रहा है। मास्टरशेफ इंडिया किचन के साथ खाने के लिए अपने परिवार के प्यार को शेयर करना मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि ये जोड़ियां देश के हर कोने से अपनी कहानियां और फ्लेवर लेकर आ रही हैं, जिससे यह शो गर्व का सच्चा सेलिब्रेशन बन गया है। वे मिलकर पूरे देश में क्रिएटिविटी, इनोवेशन और कॉन्फिडेंस को इंस्पायर करती हैं।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी, कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे। उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

37 साल पहले आई थी जैकी श्रॉफ-अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म, 15 दिन में सुभाष घई ने लिखी थी स्क्रिप्ट

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म राम लखन को रिलीज हुए 37 साल पूरे हो चुके हैं। 27 जनवरी 1989 को रिलीज हुई क्लासिक फिल्म आज भी दर्शकों के लिए खास है। फिल्म में जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीता था। सुभाष घई ने एक इंटरव्यू में बताया था कि आमतौर पर वह किसी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काफी समय लगाते हैं, लेकिन राम लखन के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट सिर्फ 15 दिनों में ही लिख दी थी। यह काम उन्होंने खंडाला में रहकर पूरा किया था। घई ने बताया था कि उन्हें फिल्म की शूटिंग जल्दी शुरू करनी थी, इसलिए उपलब्ध एक्टर्स के साथ काम किया। स्टार्स के बजाय वह ऐसे कलाकार चाहते थे जो तुरंत काम शुरू कर सकें। राम लखन एक फैमिली रिवेंज ड्रामा है, जिसमें दो भाइयों राम और लखन की कहानी है। राम (जैकी श्रॉफ) एक ईमानदार पुलिस अधिकारी बनता है, जबकि लखन (अनिल कपूर) एक नटखट और लापरवाह युवक है। दोनों के पिता की हत्या उनके चाचा विश्वंभर (अमरीश पुरी) ने की होती है। उनकी मां शारदा (राखी) अपने बेटों को बदला लेने के लिए तैयार करती है। फिल्म में अच्छाई-बुराई, भाईचारा और इंसाफ की थीम है। सुभाष घई की फिल्म में जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर के साथ डिंपल कपाड़िया (राधा), माधुरी दीक्षित (चंदनी), अनुपम खेर, सतीश कौशिक, गुलशन ग्रोवर जैसे सितारे भी अहम किरदार में हैं। फिल्म में संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया, जो सुपरहिट रहा। गाने जैसे माय नेम इज लखन, बड़ा दुख दिया ओ रामजी, तेरा नाम लिया तुझे याद किया आज भी लोकप्रिय हैं। जानकारी के अनुसार, राम लखन उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। यह ब्लॉकबस्टर साबित हुई और 35वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 9 नामांकन मिले, जिसमें राखी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वहीं, सतीश कौशिक और अनुपम खेर को भी अवॉर्ड मिला था।

बॉर्डर 2 का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, अमीषा पटेल बोलीं- तारा सिंह को पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 1997 की क्लासिक ड्रामा फिल्म की सीक्वल फिल्म कमाई के साथ दर्शकों का भी दिल जीतने में पीछे नहीं हट रही है। आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत तक हर कोई फिल्म की तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए फिल्म की तारीफ की। उन्होंने कहा, तारा सिंह को देखकर मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं मानती हूं कि फिल्म में वरुण, दिलजीत और अहान समेत सभी कलाकारों ने अच्छा काम किया होगा। मैं फिल्म और उसके गानों को फिर से महसूस करने के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। अमीषा पटेल ने फिल्म की तुलना पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक बॉर्डर 2 नहीं देखी है, लेकिन 1997 की बॉर्डर देखी है। फिर भी, जिस तरह लोग इसे पसंद कर रहे हैं, लगता है कि टीम ने बहुत शानदार काम किया है। जैसे गदर 2 की तुलना गदर से की गई थी, लेकिन गदर 2 के हिट होने के बाद सबने माना था कि यह अलग और शानदार फिल्म है, इसलिए मुझे लगता है कि तुलना नहीं करनी चाहिए। ये गलत इंप्रेशन डालती है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म में नई कहानियों के साथ नए कलाकार भी शामिल हैं, जिनमें

वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं, मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के गाने दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। वे उन्हें नॉस्टेल्जिया का अनुभव करवा रहे हैं। बॉर्डर 2 के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है।

अपारशक्ति खुराना की पहली साउथ फिल्म रूट का फर्स्ट लुक आउट, गंभीर अवतार में आए नजर

हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता अपारशक्ति खुराना अब साउथ सिनेमा की तरफ रुख कर रहे हैं। वे जल्द ही अपकमिंग फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम में नजर आएंगे। सूर्यप्रताप एस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपारशक्ति की डेब्यू फिल्म है। इसमें उनके वे तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। सोमवार को अपारशक्ति ने अपना लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस लुक में वे काफी शांत और गंभीर स्वभाव वाले नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, रूट की दुनिया से दूसरी झलक – यहीं से सब शुरू होता है। साइंस-फिक्शन क्राइम थ्रिलर पर आधारित फिल्म रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम को वेरस प्रोडक्शंस के बैनर तले शेख मुजीब, राजराजन ज्ञानसंबंदम, संजय शंकर और धनिष्टन फर्नांडो ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की शूटिंग चेन्नई और कई दूसरी जगहों पर बड़े पैमाने पर की गई है। इसमें गौतम राम कार्तिक और अपारशक्ति खुराना के अलावा नारायण,

भव्या त्रिखा, वाई.जी. महेंद्र, पावनी रेड्डी, लिंगा और आरजे आनंदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपारशक्ति ने करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें पहचान आमिर खान की फिल्म दंगल से मिली थी। इस फिल्म में उन्होंने बबीता और गीता के भाई का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने स्त्री, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, लुकाछिपी और हेलो जैसी फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता है।

Workshop on anchoring, podcasting held at MGM Central University

Sagar Suraj

MOTIHARI: The Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University organised a special workshop on anchoring and communication skills for BAJMC fourth-semester students, aimed at familiarising them with professional practices in broadcast journalism and podcasting. The session was led by Ranjana Rawat, an anchor with a reputed Delhi-based news channel, who served as the keynote speaker. Addressing the students, Rawat shared practical insights into anchoring, podcast production and the working environment of the media industry. Welcoming the participants, Head of the Department Dr Anjani Kumar Jha emphasised the need for media students to continuously update their communication skills in a rapidly changing technological landscape. He said a strong understanding of anchoring, podcasting and effective communication would help students stand out in the competitive media industry. During her address, Rawat underlined the importance of self-confidence, subject knowledge and clear communication for aspiring anchors. She explained that anchoring is not merely about reading from a script, but about effectively conveying ideas and connecting with the audience. She also demonstrated the correct use of a teleprompter and shared the basics of podcasting. Students actively interacted with the speaker, raising questions on managing speed and expressions while anchoring, overcoming nervousness during live shows, and maintaining confidence on stage. Rawat responded by sharing her personal experiences and offering practical solutions. The workshop also included vocal exercises to help students improve voice clarity, consistency and impact. Rawat stressed that an anchor's voice is a key professional asset and advised students to focus on voice modulation and develop the habit of reading newspapers daily. The workshop was coordinated by guest professor Dr Mayank Bhardwaj, with faculty members Dr Saket Raman, Dr Sunil Deepak Ghodke and Dr Uma Yadav playing key roles in its organisation. Students participated enthusiastically throughout the session.

Two brothers injured in road rage attack in northeast Delhi

New Delhi, Agency: Two brothers were seriously injured after they were attacked with sticks and batons during a road rage incident in northeast Delhi's Seelampur on Monday.

According to police, information regarding a quarrel was received at Seelampur police station around 5.15pm on Jan 26. A police team rushed to gali no. 6, Gautampuri, where it was found that the injured men were already shifted to Jag Pravesh Chandra Hospital and were later referred to Guru Teg Bahadur Hospital due to the seriousness of their injuries.

The injured were identified as Ishtiaq (38) and his younger brother, Ikhlaq (28), both of whom were employed at a bakery near an engineering college in the area. A preliminary inquiry revealed that the quarrel began when one of the brothers was crossing the road in front of the bakery and had a minor collision with two men riding a scooter. An argument followed, after which the scooter riders left the spot. They soon returned with several other associates.

The group then allegedly attacked the brothers on the road. When the injured attempted to flee, the attackers allegedly chased them inside the bakery and continued the assault.

Rape, Pocso convict who jumped bail in 2022 held by Delhi crime branch

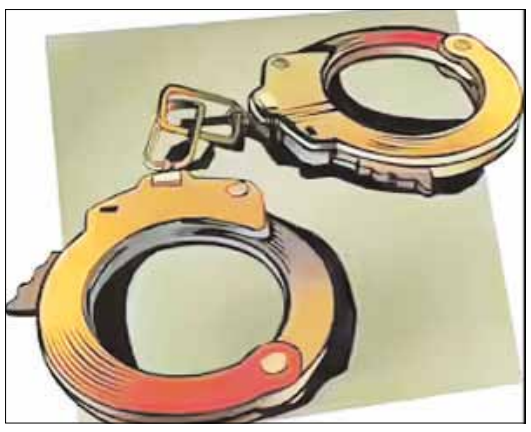

New Delhi, Agency: A 33-year-old man convicted of rape and offences under the Protection of Children from Sexual Offences (Pocso) Act, who had jumped interim bail in 2022, has been arrested by Delhi Police crime branch, officials said on Tuesday.

Police said the accused had sexually assaulted the daughter of his domestic worker at his home in southwest Delhi's Bindapur in 2016. In 2022, he allegedly assaulted his friend's wife in the same locality. Both cases were registered at Bindapur police station. He was convicted and sentenced to 10 years' imprisonment under Section 376 of the Indian Penal Code. However, he was granted 28 days' interim bail in 2022 on medical grounds related to his wife's health. After the bail period ended, he failed to surrender and went absconding.

"The team received a tip-off that the man, who was wanted in a rape and Pocso case and had jumped interim bail, would be visiting the Toll Road, near Ghamroj Toll Plaza, in Gurgaon," DCP (Crime) Harsh Indora said.

A trap was laid and the accused was arrested from the spot. Police said he had been working at a call centre before his arrest.

Wettest Jan in 4 yrs, Feb to start with rain

o**New Delhi, Agency:** The capital logged 4.2 mm rain on Tuesday, taking the month's total to 25.3 mm and making it the wettest Jan in four years. Though more rain is unlikely between Wednesday and Saturday, another spell is forecast for Feb 1. While the city's base station, Safdarjung, received 4.2 mm rain from 8.30 am to 5.30 pm under the influence of a western disturbance, Palam and Ridge in north Delhi recorded 14.6 mm and 14.4 mm, respectively.

Parts of Noida were lashed by a brief hailstorm in the evening following thunderstorms accompanied by lightning and gusty winds in the afternoon.

Delhi has already recorded 32.4% excess rainfall this month so far, the earlier spell coming on last Friday and Saturday. The previous Jan logged 8.3 mm, Jan 2024 witnessed just 'trace' rainfall, while Jan 2023 and 2022 received 20.4 mm and 88.2 mm, respectively. The all-time high rainfall in Jan was 173.2 mm in 1885.

The rain and cloud cover brought down Tuesday's maximum temperature in Delhi to 16.9 degrees Celsius, five notches below normal. The minimum, however, rose to 8°C, from 4.2°C on Monday. The day temperature is expected to stay between 17°C and 19°C over the next two days and the minimum around 11 to 13°C on Wednesday. It may dip to around 5 to 7°C on Saturday, but may again rise to 12 to 14°C by next Monday.

Another western disturbance is expected to impact the region from the night of Jan 31. It may lead to one or two spells of light rain accompanied by thunderstorms, lightning and gusty winds of up to 40 kmph on Feb 1, an IMD official said. The air quality in Delhi worsened to very poor on Tuesday. According to Central Pollution Control Board, the city's 4pm air quality index (AQI), considered the day's standard reading, stood at 336, higher than 241 recorded a day earlier. According to the Air Quality Early Warning System, which functions under the Union ministry of earth sciences, the air quality index is expected to improve to poor on Wednesday as a result of Tuesday's rain. It is likely to remain within that bracket on Thursday before again worsening to very poor on Friday. The air quality is likely to hover between the two ranges in the subse-

E-buses now serve 40% of DTC's daily ridership

New Delhi, Agency: Electric buses have silently gone from being a novelty to the backbone of city transport in two years, now logging nearly 88% of the total daily distance covered by CNG buses.

When electric buses first hit Delhi's roads in 2022, the 300-strong fleet served just 5% of DTC's 25 lakh daily passengers. By 2024-25, electric buses were carrying nearly 10 lakh passengers daily, nearly 40% of DTC's average ridership of 25.6 lakh.

The surge signals a shift-towards zero tailpipe-emission bus mobility. In these two years, while electric buses increased from 300 to 1,725, accounting for over 45% of the corporation's fleet, CNG buses declined by 34% (from 3,637 to 2,094).Proportionately, the daily ridership on CNG buses dropped from nearly 24 lakh in 2022-23 to 15 lakh in 2024-25, as electric buses expanded and replaced them, Delhi government data show.

Delhi first introduced CNG buses in 2001 after a Supreme Court order mandated a shift from diesel-run buses to control air pollution. The city also has the most robust metro train network in the country.

All DTC electric buses are air-conditioned and lowfloor, and outnumber CNG AC buses (909). They cover 2.9 lakh km a day on average, against 3.3 lakh km covered by all CNG buses. ADTC official said the share of electric bus share will significantly rise by March-end.

Delhi's electric bus journey began on Jan 17, 2022 when one blue bus rolled out on the Pragati Maidan-IP Depot route of 27km. It was astonishingly quiet and quicker compared with the roaring lumbering CNG buses, and of course cleaner. Within months, more buses were introduced. The code is clear: blue for electric, red for air-conditioned CNG, green for non-AC. Govt scaled up electric buses in the city due to their zero tailpipe emissions, lowfloor accessible design, and lower operating costs.

A Delhi govt official said central govt schemes such asFAME II, which provides subsidies for the EV transition, played a key role in speeding up the expansion. In these two years, the overall DTC bus ridership has also seen an uptick of 50,000 a day. Amit Bhatt, the India managing director at the International Council on Clean Transportation (ICCT), said the trend reflects sustained policy support and better service quality.

Delhi encounter: 3 Shastri Park murder accused arrested; accused shot in legs

New Delhi, Agency: Three men wanted in connection with a murder case in northeast Delhi's Shastri Park were injured in a police encounter in the Rohini area on Wednesday, Delhi Police said to news agency ANI.

According to police, a Crime Branch team from the Shakarpur unit received specific intelligence that the accused would be present near Rohini Sector 28. Acting on the tip-off, the team laid a trap to apprehend them.

Police said that when the suspects arrived at the spot and were challenged to surrender, they allegedly opened fire on the police personnel. A brief exchange of fire followed, during which the police retaliated to subdue the accused.

"All three criminals sustained gunshot injuries to their legs," a police official said, adding that they were overpowered and taken into custody.

Untreated Sewage A Drain On Yamuna Cleanup Effort

New Delhi, Agency: Sewage overload, drain discharge, solid waste such as cow dung and industrial effluents, and institutional coordination gaps were flagged as the main reasons affecting the Yamuna during a meeting to frame future strategy and prioritise interventions to improve the river's water quality. The meeting, held last week at Delhi Secretariat, was chaired by CM Rekha Gupta and attended by water minister Parvesh Verma, apart from senior govt officials.

At the meeting, officials said untreated and partially treated sewage remain the biggest pressure point, with a persistent gap between sewage generation and effective treatment. Large volumes of sewage continue to enter the river through multiple drains due to incomplete sewer connectivity and underutilisation of treatment infrastructure. Delays in construction and upgradation of sewage treatment plants (STPs) during the previous govt's term were also flagged as factors affecting compliance with prescribed discharge standards. "There are 37 STPs in Delhi; only 16 of them were upgraded till Feb 2025 according to the new standards," said an official.

Industrial pollution was highlighted as another area of concern, with officials pointing out the absence of a comprehensive industrial waste management framework at the sub-drain level. The absence of fresh water flow during the dry season was identified as a structural issue affecting river health. During these months, 23 drains discharge nearly 650 cusecs of wastewater into the Yamuna, while the river carries little to no fresh water downstream of Wazirabad, sharply reducing dilution capacity and worsening water quality.

Officials also drew attention to institutional challenges, noting that Delhi's 11,000km stormwater drain network is managed by seven different agencies. This arrangement was cited as a reason for uneven maintenance, irregular desilting and gaps in accountability. Coordination failures between departments working in silos were flagged as a non-technical factor slowing progress on river rejuvenation. Solid waste dumping was highlighted as a significant contributor to pollution, with all 22 major drains carrying plastic, construction debris, cow dung and other organic waste into the Yamuna, said an official. This organic load substantially, he added, increases biochemical oxygen demand levels in the river, particularly in its most polluted stretches.

The Yamuna flows for about 48km through the national capital, but this short stretch accounts for nearly 80% of the river's total pollution load. The most stressed segment lies between Wazirabad and Okhla, spanning 22km, where dissolved oxygen levels are near 0, making the river unfit for aquatic life. Delhi generates 890-900 million gallons per day of sewage, while the installed sewage treatment capacity is 814 MGD. An operational gap of about 69 MGD remains, even as treatment efficiency is estimated at 91.5%. Officials said improving sewer connectivity and ensuring sewage reaches STPs are essential to bridging this gap.